दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

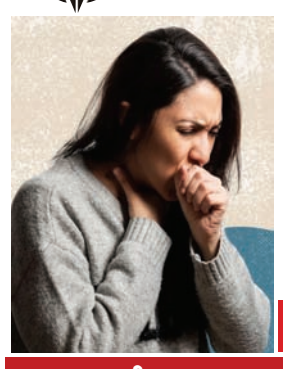

अमन लेखनी

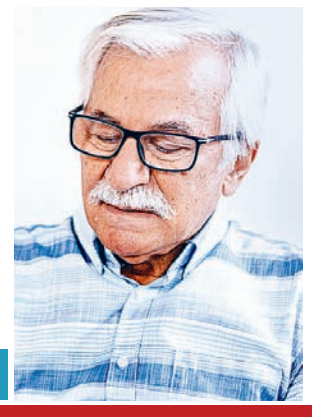

लगातार खांसी आना बन सकता है परेशानी का सबब...

आर्थराइटिस में उपयोगी आयुर्वेदिक उपचार ...

वर्ष : 09 | अंक : 307 | लखनऊ, 13 अक्टूबर , शुक्रवार 2023 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 27.c

बाजार

सोना 5510/ g

चांदी 73.50/ g

सेंसेक्स 64,948.66

निफ्टी 19,310.15

पीएम मोदी ने विजया राजे सिंधिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिग्गज नेता विजया राजे सिंधिया की जयंती पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन जन कल्याण एवं राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया था। विजया राजे सिंधिया, जनसंघ की प्रमुख नेताओं में से एक थीं। विजया राजे सिंधिया का जन्म 1919 में ग्वालियर के तत्कालीन राजघराने में हुआ था और वह अपने राजनीतिक सफर में हिंदुत्व के मामले में काफी मुखर थीं। विजया राजे, जनसंघ में शामिल होने से पहले कांग्रेस का हिस्सा थीं। मोदी ने एक्स पर कहा, राजमाता विजया राजे सिंधिया जी को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने अपना पूरा जीवन जन कल्याण और राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, गरीबों और वंचितों के लिए उनके प्रयास सशक्त भारत के निर्माण में हर किसी को प्रेरित करने वाले हैं। विजया राजे के पोते ज्योतिरादित्य सिंधिया मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं, वहीं उनकी दो बेटियों में से एक वसुंधरा राजे राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री हैं और यशोधरा राजे भाजपा की नेता हैं।

पीएम मोदी एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे जहां उन्होंने भगवान शिव के धाम आदि कैलाश चोटी के दर्शन किए और पार्वती कुंड पहुंचकर पूजा—अर्चना की। पिथौरागढ़ की जिलाधिकारी रीना जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री कुमांउ क्षेत्र में अपने दिन भर के दौरे के दौरान सीमांत गुंजी गांव भी जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रधानमंत्री अल्मोड़ा में भगवान शिव के एक और प्रसिद्ध धाम जागेश्वर भी जाएंगे। जागेश्वर से वह वापस पिथौरागढ़ जाएंगे जहां वह एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह करीब 4200 करोड़ रुपए की लागत की योजनाओं का शिलान्यास तथा लोकार्पण भी करेंगे।

अमित शाह ने मेरा युवा भारत मंच स्थापित करने के फैसले को सराहा

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नये स्वायत्त निकाय मेरा युवा भारत को मंजूरी देने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और कहा कि इस मंच पर युवाओं के विचार, आकांक्षाएं और परिश्रम सम्मलित होंगे।

मोदी की अध्यक्षता मेंकेंद्रीय मंत्रिमंडल ने युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में एक व्यापक सक्षम तंत्र के रूप में काम करने के लिए एक स्वायत्त निकाय मेरा युवा भारत (माय भारत) की स्थापना को मंजूरी दी है।

शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नया स्वायत्त निकाय मेरा युवा भारत (माय भारत) हमारी युवा शक्ति का एक समूह होगा जो भारत के विकास को एक नए भविष्य की ओर ले जाएगा। इस मंच का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं का विकास करना है। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं के विचार, आकांक्षाएं और परिश्रम इस मंच पर शामिल होंगे जो उनके लिए सरकार तक पहुंच बनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर खोलेगा। इस दूरदर्शी निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल से धन्यवाद देता हूं।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर के अस्पताल के आईसीयू में आग

धुआं भरने से तोड़े गए कांच, सभी मरीज सुरक्षित

इंदौर के एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में बुधवार देर रात आग लग गई। हादसे के वक्त आईसीयू में पांच मरीज भर्ती थे जो तुरंत स्थानांतरित किए जाने से सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चश्मदीदों ने बताया कि आग एबी रोड स्थित केयर सीएचएल हॉस्पिटल की पहली मंजिल स्थित आईसीयू में लगी। उन्होंने बताया कि आग तो मामूली थी, लेकिन आईसीयू में धुआं भर जाने से मची अफरा-तफरी के बीच इस इकाई के कांच तोड़े गए और आग बुझाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. बीएस सैत्या ने बताया कि आग लगने की घटना के वक्त अस्पताल के आईसीयू में पांच मरीज थे जिन्हें तुरंत अन्य कक्ष में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने बताया, ह्यह्यपांचों मरीज पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्रारंभिक तौर पर यह लगता है कि आग आईसीयू के किसी उपकरण में शॉर्ट सर्किट से लगी।

रेल हादसे पर मंत्रालय और केंद्र सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिएः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के बक्सर में हुए रेल हादसे पर बृहस्पतिवार को दुख जताया और कहा कि इस तरह की दुर्घटना पर रेल मंत्रालय और केंद्र सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए। खरगे ने इस हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, नई दिल्ली से असम जाने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के बिहार के बक्सर में पटरी से उतर जाने की खबर बेहद पीड़ादायक है। इस भयावह हादसे में कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते है। कांग्रेस के कार्यकताओं से अनुरोध है कि पीड़ितों को हर मुमकिन मदद पहुंचाएं।

एनएमसी ने कन्याकुमारी के निजी मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी में स्थित एक मेडिकल कॉलेज की छात्रा के यौन उत्पीड़न के बाद आत्महत्या करने के मामले में कॉलेज से बृहस्पतिवार तक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड के सदस्य और एनएमसी में मीडिया प्रभाग के प्रमुख डॉ. योगेंदर मलिक ने कहा कि स्वतंत्र जांच करने के लिए तमिलनाडु में राज्य चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशालय (डीएमईआर) को एक पत्र भेजा जाएगा। डीएमईआर को 15 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी जिससे छात्रा की मौत की परिस्थितियों की त्वरित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। मलिक ने कहा, ह्लकॉलेज को बृहस्पतिवार तक घटना पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। एनएमसी की एंटी-रैगिंग कमेटी द्वारा घटना की जांच होने तक, एनएमसी में विचाराधीन मेडिकल कॉलेज से संबंधित सभी मामलों को रोक दिया जाएगा। एनएमसी में एंटी रैगिंग कमेटी की बुधवार को आपातकालीन बैठक बुलाई गई। 27 वर्षीय छात्रा ने पिछले हफ्ते कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि एनेस्थीसिया विभाग में उसके प्रोफेसर और वरिष्ठों ने उसका यौन उत्पीड़न, शारीरिक और मानसिक शोषण किया था।

इजराइल में फंसे 230 भारतीयों को लेकर पहली उड़ान इजरायल से होगी रवाना

विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारे पास सभी विकल्प हैं

अमन लेखनी समाचार

इजराइल में फंसे भारतीयों को लेकर पहली चार्टर उड़ान 12 अक्टूबर यानी आज रात बेन गुरियन हवाई अड्डे से रवाना होगी। यह उड़ान इजराइल में रहने वाले लगभग 230 भारतीयों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ले जाएगी। फ्लाइट इजराइल से रात 9 बजे रवाना होगी और इसमें सवार यात्रियों से कोई किराया नहीं लिया जाएगा। उनकी वापसी का खर्च सरकार उठा रही है। एयर इंडिया ने 7 अक्टूबर को इजराइल से अपनी उड़ान तुरंत निलंबित कर दी थी। ऐसे में जो लोग भारत की यात्रा पर आने वाले थे उन्हें भी पहली उड़ान में शामिल किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जैसा कि कल विदेश मंत्री द्वारा घोषणा की गई थी, इजराइल से वापस आने को इच्छुक हमारे नागरिकों की वापसी की सुविधा के लिए ऑपरेशन अजय शुरू किया गया है। पहली चार्टर उड़ान भारतीय नागरिकों को लेने के लिए आज रात तेल अवीव पहुंचेगी। चार्टर उड़ान आज देर शाम तेल अवीव पहुंचेगी। इसमें 230 यात्रियों के सवार होने की उम्मीद है। हमारे पास सभी विकल्प हैं, लेकिन निकासी में भारतीय वायुसेना की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। इजराइल में हमास आतंकियों के साथ चल रहे युद्ध के बीच भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों को निकालने की कोशिशें कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा बुधवार को घोषित 'ऑपरेशन अजय' के तहत भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। इससे पहले आज, उन्होंने इजराइल से प्रस्थान करने वाली पहली चार्टर उड़ान की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। इससे पहले, उन्होंने स्थिति की निगरानी करने और उन भारतीयों को जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली में एक चौबीसों घंटे चलने वाला नियंत्रण कक्ष और तेल अवीव और रामल्ला में अलग आपातकालीन हेल्पलाइन भी स्थापित की, जिन्हें मदद की आवश्यकता हो सकती है। एक ट्वीट में इजराइल में भारतीय दूतावास ने कहा कि उसने गुरुवार को विशेष उड़ान के लिए पंजीकृत भारतीय नागरिकों की पहली खेप ईमेल की। इसमें कहा गया है कि अन्य पंजीकृत लोगों को संदेश अगली उड़ानों के लिए भेजा जाएगा। मुंबई में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोबी शोशानी ने पीटीआई को बताया कि देश में 20,000 से अधिक भारतीय रहते हैं, जो वर्तमान में फिलिस्तीनी समूह हमास के साथ युद्ध में है।

इटली के बाद फ्रांस पहुंचे राजनाथ सिंह, फ्रांसीसी समकक्ष लेकोर्नू के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 12 अक्टूबर को कहा कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है और दोनों पक्ष इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्सुक हैं। सिंह ने पेरिस में फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ अपनी बातचीत के बाद यह बात कही। रक्षा मंत्री ने लेकोर्नू के साथ अपनी मुलाकात को उत्कृष्ट बताया। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पेरिस में फ्रांस के सशस्त्र बलों के मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में गहरी हुई है और आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तत्पर हैं। रक्षा मंत्री रोम की यात्रा समाप्त करने के बाद मंगलवार को पेरिस पहुंचे।

राजनाथ सिंह ने पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी रक्षा कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के एक समूह के साथ भी बातचीत की और उन्हें भारत में रक्षा साजोसामान के सह-विकास और सह-उत्पादन के लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें अन्य देशों में निर्यात किया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने पेरिस के पास गेनेविलियर्स में सफरान इंजन डिवीजन के आर एंड डी केंद्र का दौरा किया और एयरो-इंजन प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीनतम विकास को देखा।

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहे हैं। जुलाई में भारत और फ्रांस ने अभूतपूर्व रक्षा सहयोग परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें जेट और हेलीकॉप्टर इंजनों का संयुक्त विकास और भारतीय नौसेना के लिए तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का निर्माण शामिल है। दोनों रणनीतिक साझेदारों ने तीसरे देशों के लाभ सहित उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन में सहयोग करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

भारत पांच हजार वर्षों से धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र रहा हैः आरएसएस

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत 5,000 वर्षों से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र रहा है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और दुनिया के सामने मानव व्यवहार का सर्वोत्तम उदाहरण पेश करने का आह्वान किया।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी आर हरि द्वारा लिखित पुस्तक पृथ्वी सूक्त - एन ओड टू मदर अर्थ के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने लोगों से अपनी मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण रखने की अपील करते हुए कहा, हम मातृभूमि को हमारी राष्ट्रीय एकता का एक अनिवार्य घटक मानते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमारी 5,000 साल पुरानी संस्कृति धर्मनिरपेक्ष है... सभी तत्व ज्ञान में, यही निष्कर्ष है। पूरी दुनिया एक परिवार है, यह हमारी भावना है। यह कोई सिद्धांत नहीं है... इसे जानें, महसूस करें और फिर उसके अनुसार व्यवहार करें।

सूरत के स्कूल में चार साल की बच्ची को पीटने के आरोप में महिला शिक्षक गिरफ्तार

गुजरात में सूरत शहर के एक निजी स्कूल की महिला शिक्षक को पूर्व प्राथमिक में पढ़ने वाली चार साल की बच्ची को पीटने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त विपुल पटेल ने कहा कि शिक्षिका जशोदाबेन खोखरिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। पटेल ने कहा, ह्यह्यलड़की के माता-पिता द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर, हमने शिक्षिका जशोदाबेन को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तब सामने आया जब लड़की के माता-पिता ने मीडिया के साथ सीसीटीवी फुटेज साझा किया, जिसमें खोखरिया सोमवार को कक्षा में किसी कारण से उनकी बेटी को बार-बार पीठ पर मारती और उसे थप्पड़ लगाती हुई दिखाई दे रही हैं।

शिवाजी पार्क में वार्षिक दशहरा रैली का आयोजन करेगी उद्धव की शिवसेना

अमन लेखनी समाचार

मुंबई , बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने गुरुवार को मुंबई के प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की शिवसेना (ठाकरे) की याचिका को मंजूरी दे दी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 24 अक्टूबर को अपनी 57वीं दशहरा रैली आयोजित करेगी। इससे पहले एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 12 अक्टूबर को शिवाजी पार्क में दशहरा रैली आयोजित करने के लिए बीएमसी में दायर अपनी याचिका वापस ले ली, उन्होंने कहा कि वह दशहरा के शुभ अवसर पर कोई विवाद नहीं चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि अब शिवसेना का गुट क्रॉस ओवल मैदान में दशहरा रैली आयोजित करेगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि शिंदे ने अपनी पार्टी के कार्यकताओं से अपील की कि वे प्रतिद्वंद्वी गुट के साथ संघर्ष न करें क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री को लोगों की सहानुभूति मिलती है। 2022 में, दोनों गुटों ने प्रतिष्ठित पार्क में वार्षिक रैली आयोजित करने की अनुमति पाने के लिए बीएमसी का रुख किया, जो राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और मुंबई में राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक है। हालांकि, ठाकरे को शिवाजी पार्क में मेगा कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिली, जबकि शिंदे की शिवसेना को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में रैली आयोजित करने की अनुमति दी गई। इस बीच, पिछले साल शिंदे के समूह की रैली की आलोचना हुई क्योंकि शिवसेना (ठाकरे) के मुखपत्र 'सामना' में दावा किया गया कि शिंदे खेमे ने बीकेसी में आयोजित दशहरा रैली पर 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये खर्च किए होंगे, क्योंकि लगभग 2,000 बसें समर्थकों को लाने-ले जाने के लिए बुकिंग की गई और कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से अधिक लोगों को भोजन दिया गया।

दुनिया में अपनी ताकत को बढ़ाने में लगा भारत

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली , केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगले पांच वर्षों में कैडर की संख्या को लगभग 215 तक बढ़ाने के लिए भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के कैडर समीक्षा और पुनर्गठन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। लंबे समय से महसूस की गई आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में उठाया गया ये कदम है। सूत्रों ने कहा कि यह मंजूरी इस बात पर विचार करते हुए दी गई है कि विशेषज्ञ जनशक्ति की अधिक आवश्यकता है क्योंकि सरकार अगले कुछ वर्षों में नौ और भारतीय मिशन खोलने की योजना बना रही है और मौजूदा मिशनों की बढ़ती जरूरत को पूरा करने की भी योजना बना रही है। प्रमुख कैडर पुनर्गठन कैडर के अंतिम पुनर्गठन के 19 साल बाद आया है।

आईएफएस अधिकारियों की ताकत में होगी वृद्धि

यह कवायद 1990 के दशक में उदारीकरण के बाद भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) कैडर के इसी तरह के पुनर्गठन और उसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार की याद दिलाती है। सूत्रों ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के तुरंत बाद होने वाले पुनर्गठन के परिणामस्वरूप प्रवेश स्तर पर आईएफएस अधिकारियों की ताकत में वृद्धि होगी और अधिक पदों का सृजन भी होगा। एक अधिकारी ने कहा कि मांग बहुत पहले से महसूस की जा रही थी और कैडर समीक्षा समिति ने लगभग एक साल पहले कैडर की समीक्षा की सिफारिश की थी। आईएफएस की आखिरी समीक्षा और पुनर्गठन 2004 में हुआ था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि कैबिनेट ने हरी झंडी देते समय ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, इंटरनेशनल सोलर अलायंस, इंटरनेशनल योगा डे जैसे कई कारकों पर विचार किया है।

आईएफएस में कर्मचारियों की अधिक कमी

टीओआई ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा कि विदेश मंत्रालय ने अपने प्रस्ताव में उल्लेख किया है कि भारतीय मिशन वाले देशों में वरिष्ठ सरकारी पदाधिकारियों की यात्राओं की औसत संख्या 2014 में प्रति वर्ष लगभग 9-10 से बढ़कर 2023 में लगभग 35-40 हो गई है। एक अधिकारी ने कहा कि 'भारतीय मिशनों को वहां और नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में भी अधिक विशेषज्ञ हाथों की जरूरत है। इस साल की शुरूआत में विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति ने सरकार से वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की देश की इच्छा के अनुरूप भारत की राजनयिक सेवा की जनशक्ति बढ़ाने की सिफारिश की थी। पैनल ने इस बात पर ध्यान दिया था कि कैसे कई अन्य देशों की तुलना में आईएफएस में कर्मचारियों की अधिक कमी है। अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि 1,011 आईएफएस अधिकारी विदेश मंत्रालय की कुल संख्या 4,888 का केवल 22.5% हैं।

नाली विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट रिपोर्ट दर्ज

सरोजनी नगर लखनऊ। बिजनौर में नाली विवाद को लेकर बुधवार को दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बिजनौर के ललई खेड़ा निवासी रामनरेश यादव के मुताबिक बुधवार अपराह्न करीब 3 बजे वह अपने घर से बाहर निकले तो पड़ोस के ही गया प्रसाद अपने बेटों के साथ मिलकर उसकी जमीन पर जबरदस्ती नाली निकाल रहे थे। रामनरेश का कहना है कि जब उसने विरोध किया तो गया प्रसाद और उसके बेटे अवधेश उर्फ मोहन, मदन व अजय ने गाली गलौज करने के साथ ही ईट - पत्थर से सिर पर वार कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। वहीं इस मामले में दूसरे पक्ष से अजय की पत्नी निशा यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि नाली विवाद को लेकर रामनरेश, उसके बेटे शिवा और शुभम ने अजय व अजय के छोटे भाई सूरज पर लाठी डंडों, ईंटों और धारदार हथियार से हमला कर चोटिल कर दिया। साथ ही गाली गलौज करने के अलावा जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हैकरों ने खाताधारक को निवेश का झांसा दे खाते से उड़ाए लाखो रुपए

लखनऊ , कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक खाताधारक को हैकरों ने अपना निशाना बना टेलीग्राम ऐप पर निवेश करने पर मुनाफे का लालच दे खाते से 15 लाख रुपए पार कर लिए जिसपर खाताधारक ने साइबर सेल में शिकायत कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है कासिमपुर पकरी निवासी आर्यभट्ट ठाकुर पुत्र मनिन्दर ठाकुर के मुताबिक उन्होंने बीते 29 सितम्बर को टेलीग्राम एप्लिकेशन द्वारा पार्ट टाइम जॉब के नाम पर उनके मोबाईल फोन पर मैसेज आया कि दो लाख रुपए निवेश पर एक लाख नब्बे हजार का लाभ मिलेगो जिसपर उन्होंने एकाउंट पे माध्यम से हूपर फैमिली ग्रुप पर अपनी आईडी बनाई जिसपर होटल का रिव्यू देने लगे पीड़ित के मुताबिक लिंक पर पहले उनका पैसा दिख रहा था और माईनस में जाने लगा और उनके खाते से 15 लाख 24 हजार रुपए निकल गए जिसपर उन्होंने ऐप माध्यम से शिकायत किया तो उमसे पैसा वापसी के लिए 12 लाख रुपए का मांग किया जा रहा है पीड़ित साइबर सेल में शिकायत कर कृष्णा नगर में शिकायत की है पुलिस ने शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है

दुबग्गा में ठेकेदार के घर में हुई डकैती का खुलासा, नौ गिरफ्तार

खुलासा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। थाना दुबग्गा व सर्विलान्स टीम डीसीपी पश्चिमी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना दुबग्गा क्षेत्रात हुयी घटना का सफल अनावरण करते हुए नौ डकैतों को किया गया गिरफ्तार। साथ ही उनके कब्जे से सफेद धातु के जेवरात व 44,690 रुपए नगद, एक बैगनार कार, एक मोटर साईकिल व एक अवैध तमंचा 315 बोर व दो कारतूस बरामद किया है। पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ करने पर पता चला कि ठेकेदार के घर हुई डकैटी की घटना की मुखबिरी ठेकेदार के साढू के लड़के ने किया था। चूंकि उनके साढू का लड़का घर आता जाता था। डकैती की वारदात के करीब चार से पांच दिन पहले ठेकेदार का साढू का लड़का उनके घर आया था। इस घटना में एक कार और बाइक प्रयोग किया गया था। उसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।डीसीपी पूर्वी राहुल राज ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम सरवन पुत्र छोटे लाल यादव निवासी उन्नाव, जमील पुत्र नन्हकू निवासी उन्नाव , ऋषि कान्त तिवारी पुत्र राम खिलावन तिवार निवासी पारा, दिव्यांश भारती उर्फ अरूण उर्फ केके पुत्र राकेश भारती निवासी बादशाह खेड़ा आलमनगर, तरूण बाजपेई पुत्र अटल बाजपेई निवासी हर्ष नगर भपटामऊ थाना पारा, कैफ अहमद पुत्र अफजाल अहदम निवासी पारा जनपद , नमन मिश्रा पुत्र शिव मनुजी मिश्रा निवासी सत्यम सिटी, डिप्टी खेड़ा थाना पारा , संजय बाजपेयी पुत्र शिव नारायण बाजपेयी निवासी उन्नाव, विकास पाल पुत्र राम नरेश पाल निवासी हरदोई को गुरुवार को समय 5.30 बजे घटना में लूटे गये आभूषण घटना में प्रयुक्त बैगनार कार, मोटरसाईकिल व तमंचा कारतूसो के साथ गिरफ्तार कर हिरासत पुलिस में लिया गया। उन्होंने बताया कि इनके

द्वारा सात व आठ अक्टूबर की रात्रि रात्रि में थाना दुबग्गा के जेहटा गांव में मोतीलाल पाल के घर में अज्ञात बदमाशों ने घुसकर घर में रखी आलमारी से तीन लाख अस्सी हजार रुपये नगद व सोने चांदी के गहने वादी और उसके नातिन को भय कारित करके छीन लिया, जिसके सम्बन्ध में थाना दुबग्गा पर पर डकैती का मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई थी। चूंकि इस घटना को अज्ञात अभियुक्तों ने अंजाम दिया था और वादी के घर एवं उसके समीपवर्ती घरों में कोई क्लोज सर्किट टीवी कैमरा नहीं लगा हुआ था तथा वादी के घर में बिजली का कनेक्शन नहीं होने के कारण घर में रात्रि का समय होने के कारण पूरी तरह अन्धकार व्याप्त था, जिसके कारण अभियुक्तों के सम्बन्ध में कोई सीसीटीवी फूटेज एवं उनका चेहरा उनकी संख्या स्वयं वादी तथा उनकी नातिन को ज्ञात नहीं हो सका।इस घटना का खुलासा करने के लिए पांच टीमों का गठन किया गया। जिसमें कमिश्नरेट की मुख्य क्राइम टीम, डीसीपी पश्चिमी की सर्विलांस टीम, थानाध्यक्ष मानकनगर, थाना ठाकुरगंज, थाना पारा एवं दुबग्गा के सुयोग्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के क्राइम टीम का गठन करते हुए घटना के त्वरित अनावरण हेतु अहर्निश प्रयत्न तत्काल प्रारम्भ किये गये। टेक्निकल सर्विलांस के लिए गठित टीमों के द्वारा घटना स्थल के आस-पास के वृहद मोबाइल टावर डेटा का विश्लेषण प्रारम्भ किया गया।घटनास्थल के 15 किमी के रेडियस में सीसीटीवी कैमरो के फुटेज प्राप्त करने और विश्लेषण के लिये दो विशेषीकृत टीमों का पृथक से गठन किया गया।चूंकि इस घटना में एक अभियुक्त ने वादी मोती लाल के नातिन का नाम लेकर पुकारा था कि. . को पता है कि आलमारी की चाभी कहां है। इससे यह स्पष्टरुप से अवधारित हुआ कि इस घटना में कोई नजदीकी व्यक्ति शामिल है। इसके अतिरिक्त जिस प्रकार से बदमाशों ने घर के अन्दर प्रवेश किया था उससे भी यह स्पष्टहुआ कि उन अभियुक्तों में से कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे घर के प्रवेश मार्ग के बारे में अच्छी तरह जानकारी है।

इस आधार पर वादी के करीबी व्यक्तियों के विषय में आवश्यक सूचना एकत्र किया जाना प्रारम्भ किया गया।घटना स्थल के लगभग एक किलोमीटर आगे एक सफेद वैगनार कार घटना के दिन और लगभग घटना कारित होने के समय संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी। कार को संदिग्ध मानकर उसके मालिक विषय में विशिष्ट जानकारी हासिल की गयी और उनके विषय में सूचनाएं एकत्र की गयी तो ज्ञात हुआ कि उक्त गाड़ी आशियाना निवासी एक व्यक्ति की है, जिसे उसने ऋषिकान्त तिवारी पुत्र रामखेलावन त्रिपाठी नामक ड्राइवर को भाड़े पर चलाने के लिये दिया है। तत्पश्चात ऋषिकान्त त्रिपाठी को उसके आवास सोनाबिहार आलमनगर थाना पारा से हिरासत में लिया गया।काड़ाई सेपूछताछ करने के बाद उसने सारा राज खोल दिया। उन्होंने बताया कि चूंकि विकास जो वादी का सगा भांजा है घटना के पांच व छह दिन पूर्व एक अक्टूबर को रात्रि में वहा रुका था और उसे पता था कि घर का दूसरी मंजिल जो अभी निमार्णाधिन है और वहां अभी दरवाजा भी नहीं लगा है।

सीढ़ी पर भी दरवाजा नहीं लगा है तथा घर के बाहर बास के पाड़ (मजदूरों के द्वारा गृह निर्माण के कार्य के लिए बनायी जाने वाली बास की सीढ़ी) से आराम से अन्दर आया जा सकता है। अतः विकास उसी बास के पाड़ से दूसरी मंजिल पर चढ़ कर सीढ़ी के रास्ते से नीचे उतर आया और घर के मुख्य दरवाजे को जिसमें मात्र बेलन और कुण्डा लगा था उसे खोल दिया ताकि सारे अभियुक्त आसानी से अन्दर आ सके। अभियुक्तों से पूछताछ करने के बाद अभियुक्तों कोर्ट में पेश किया। वहीं पुलिस आयुक्त ने टीम के मनोबल को ऊंचा करने के लिए बीस हजार रुपये का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाने की घोषणा किया है और उनके उत्साह वर्धन के लिए पुलिस महानिदेशक कार्यालय को यथोचित पुरस्कार के लिए टीम में शामिल सदस्यों के नामों की सूची भेजे जोन की भी घोषणा किये हैं।

व्यापारी को मुकदमा वापस न लेने पर विपक्षियों से मिली धमकी

लखनऊ, कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र के सरार्फा मार्केट में एक बर्तन कारोबारी को कलेक्ट्रेट में चल रहे मुकदमे को वापस लेने के लिए विपक्षी ने अपने साथियो संग दूकान में घुस अभद्रता करते हुए गाली गलौज के साथ अंजाम भुगत लेने की धमकी दी हैं जिसकी शिकायत पीड़ित कारोबारी ने स्थानीय थाने पर की है पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर विपक्षियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी हैं आलमबाग के हरिहर प्रसाद नगर निवासी कृष्ण मोहन रस्तोगी सरार्फा मार्केट में अपनी बर्तन की दुकान चलाते हैं कारोबारी के मुताबिक सरवन नगर बिजनौर निवासी शानू सिंह पुत्र करन सिंह से उनका जमीन का विवाद चल रहा है जिसका मुकदमा लखनऊ कलेक्ट्रेट में चल रहा हैं आरोप है कि विपक्षी दो दिन पूर्व शाम समय फोन कर धमकी दिया था उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे विपक्षी अपने दो तीन अज्ञात साथियो संग उनकी दूकान पर आ धमका और गाली-गलौज करते हुये मुकदमें में समझौता कर लेने की धमकी दी बात न मानने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। जिसपर कारोबारी ने स्थानीय कृष्णा नगर थाने पहुंचकर पुलिस को मामले से अवगत कराते हुए अपने विपक्षी एवं उसके अज्ञात साथियो के खिलाफ शिकायत की हैं पुलिस ने शिकायत पर गाली गलौज एवं धमकी की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है

17 दिन तक फ्रीजर में शव रखकर भूले, डिप्टी सीएम ने मांगा स्पष्टीकरण

नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस का मामला

प्रकरण में जांच के जारी किए आदेश, होगी कठोर कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नोएडा में गवर्नमेन्ट इन्स्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में 17 दिन तक शव फीजर में रखकर भूलने का गंभीर मामला सामने आया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इस अतिसंवेदनशील घटना का संज्ञान लिया है। मामले की जांच के आदेश दिए हैं। निदेशक से स्पष्टीकारण तलब करने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश भी दिए हैं।

इन्स्टीटयूट कर्मचारी लापरवाही से फीजर में 17 दिन तक शव रखकर भूल गए थे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को इंस्टीट्यूट के निदेशक से स्पष्टीकरण भी लेने के निर्देश दिए हैं।

पोस्टमार्टम हाउस में वसूली के आरोप की जांच

कौशाम्बी के पोस्टमार्टम हाउस में कर्मचारी की धन वसूली का वीडियो वायरल हुआ है। डिप्टी सीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी को दोषियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. एचपी मणि से जांच करायी जा रही है। जांच के बाद दोषी पाये जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध बर्खास्तगी की कार्यवाही की जाएगी। उधर, कानपुर के उर्सला अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर में रिश्वतखोरी का वीडियो वायरल हुआ है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि निदेशक, उर्सला ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद मोहन वर्मा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। इसमें डॉ. चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र तिवारी व वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. धीर सिंह को सदस्य बनाया गया है। जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध रूप से कार्यवाही की जाएग। जांच रिपोर्ट एक सप्ताह में पूरी करनी है। बदायूं के जिला चिकित्सालय में सीटी स्कैन एवं एक्सरे जांच के लिए अवैध वसूली का वीडियो वॉयरल का संज्ञान लेते हुए उन्होंने अवैध वसूली की घटना को शर्मनाक बताया। इस संबंध में बरेली की निदेशक डॉ. पुष्पा पन्त को मौके पर जाकर जाँच करने व दो सप्ताह में आख्या उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। इस घटना में संलिप्त स्वास्थ्यकर्मियों एवं दलालों के विरूद्ध कठोर एवं विधिक कार्यवाही की जाएगी।

बेखौफ बिल्डर्स कर रहे अवैध प्लाटिंग

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के धर्मावत खेड़ा गांव में नई जेल रोड पर कंपनी सौभाग्य सिटी, सुमित्रा डेवलपर्स व फॉर्च्यून टेक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम समाज व ग्रामीणों की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है। हालि में कंपनी के दबंग भूमाफिया द्वारा संजय यादव, आजाद, आयुष प्रताप सिंह व रितेश चंद्र मिश्रा द्वारा चकमार्ग पर रेडिमेट बाउंड्रीवॉल व अवैध प्लाट काटकर रास्ता बंद कर दिया गया। जब ग्रामीण ने इसकी शिकायत थाना दिवस में की तो उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज हनुमान प्रसाद मौर्य ने इंस्पेक्टर मोहनलालगंज व राजस्व निरीक्षक को मौके पर जाकर कार्यवाही करने ने आदेश दिए। लेकिन एसडीएम के आदेश को दरकिनार कर थाना प्रभारी और राजस्व निरीक्षक मौके पर जाकर कार्यवाही करने के बजाए मूकदर्शक बने बैठे रहे। ग्रामीणों का आरोप है की इस कंपनी द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग में ग्राम प्रधान, लेखपाल व कई अन्य लोग भी शामिल हैं।सभी की मिलीभगत से ग्राम समाज में अवैध कब्जा और निर्माण हो रहा है। गौरतलब है की पूर्व में भी इस कम्पनी ने धर्मावत खेड़ा गांव में अवैध प्लाटिंग की थी, जिसकी शिकायत पूर्व में भी ग्रामीणों द्वारा की गई थी, जिस पर तहसील प्रशासन और एलडीए ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलवाने का काम किया था। वहीं, अब कंपनी दोबारा अवैध कारोबार कर रही है, जिस से ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है और प्रशासन से कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। सौभाग्य सिटी, सुमित्रा डेवलपर्स व फॉर्च्यून टेक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने गाटा संख्या 93 सहित कई अन्य गाटों में अपने अंश से अधिक जमीन बेचकर धोखाधड़ी करने का भी काम किया है। इसके अलावा चकमार्ग और ग्राम समाज की भूमि पर भी कब्जे करने का काम इस कंपनी ने किया है।

10 फीट का अजगर दिखाई पड़ने से लोगों में मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर के गंगानगर स्थित एक मकान में गुरुवार को भारी भरकम अजगर दिखाई पड़ने से लोगों में हड़कंप मच गया। आनन फानन इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पाकर पहुंचे वन कर्मियों ने उसे पकड़ कर गहरु जंगल में छोड़ दिया। सरोजनीनगर के गंगानगर निवासी मनोज सिंह चौहान का उनके घर से कुछ दूरी पर एक दूसरा मकान है। इस मकान में गजोधर नामक व्यक्ति किराए पर कमरा लेकर रहता है। बताते हैं कि गुरुवार सुबह गजोधर घर के अंदर रखे छप्पर के नीचे गोबर के उपले उठाने गया था। तभी वहां दीवार के किनारे एक भारी भरकम अजगर दिखाई पड़ा। उसे देखते ही गजोधर के होश उड़ गए। बाद में गजोधर ने इसकी सूचना मनोज सिंह को दी। मौके पर पहुंचे मनोज ने अजगर देखा तो उन्होंने वन विभाग को इसकी जानकारी दी। कुछ देर बाद सरोजनीनगर वन रेंज कार्यालय से पहुंचे वन कर्मियों ने किसी तरह अजगर को पकड़ कर बोरी में भर लिया और बाद में उसे गहरू जंगल ले जाकर छोड़ दिया। पकड़े गए अजगर की लंबाई करीब 10 फीट बताई जा रही है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गठिया रोग जागरूकता एवं निशुल्क परामर्श शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। विश्व गठिया रोग दिवस के अवसर पर केजीएमयू के गठिया रोग विभाग द्वारा सरोजनीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को गठिया रोग जागरूकता एवं निशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। सरोजनीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉ. मोनिका अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में केजीएमयू की गठिया रोग विभागाध्यक्ष डॉ. उर्मिला धाकड़ और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रसन्ना कुमार सहित विभाग के कई अन्य चिकित्सकों ने लोगों को गठिया रोग से संबंधित जानकारी दी। आम जनता को गठिया रोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित शिविर में लोगों को जागरूक करने के साथ ही गठिया रोग के विभिन्न लक्षणों से अवगत कराया गया। मौजूद चिकित्सकों ने कहा कि अगर गठिया रोग का इलाज सही समय से किया जाए तो इसके दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। शिविर में संगोष्ठी भी आयोजित की गई। जिसमें मौजूद लोगों को गठिया रोग से बचाव की जानकारी देते हुए उन्हें इसके प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा गठिया रोग के कारण, लक्षण, दुष्परिणाम और उसकी रोकथाम किए जाने वाले उपयोग के बारे में भी बताया गया। साथ ही 77 मरीजों की जांच करने के साथ ही उन्हें उचित सलाह और निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस मौके पर सरोजनीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज कुमार गुप्ता, डॉ. वसीम शाह, नीरज यादव, राम जानकी पाल, राकेश शर्मा, मनीष यादव व ज्ञान प्रकाश पांडेय सहित पूरा स्टाफ भी मौजूद रहा।

सड़क हादसे में अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से मजदूर की मौत

हादसा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मजदूरी कर स्कूटी से वापस घर लौट रहे युवक को अज्ञात ट्रैक्टर ट्रॉली ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सवार युवक दूर जा गिरा राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को आनन-फानन मे सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टरों ने मजदूर को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ट्रैक्टर ट्राली मौके से टक्कर मारकर हुआ फरार। बृहस्पतिवार को माल थाना क्षेत्र के ग्राम ककराबाद निवासी रमेश कश्यप (33) बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे स्कूटी से मजदूरी कर वापस घर लौट रहा था। तभी बीघापुर गावं के पास अनियंत्रित अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें सवार युवक छिटक कर दूर जा गिरा राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को माल समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने रमेश कश्यप को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में मचा कोहराम। मृतक के भाई अर्जुन कश्यप ने बताया कि मेरा भाई रमेश आसपास गांवों में मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का खर्च चलता था। वह पूरे परिवार में कोई भी काम पूरी लगन व मेहनत के साथ करता था। परिवार का पूरा भार उठाता था। जिसको भगवान ने हमसे छीन लिया। मृतक के परिवार में भाई मुन्ना कश्यप, अर्जुन कश्यप, पत्नी रानी, पुत्र रौनक 4 वर्ष, और एक मासूम पुत्री है। जिनका रो रो कर बुरा हाल है, इस संबंध में इस्पेक्टर शमीम खान ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास के सीसीटीवी के माध्यम से ट्रैक्टर ट्राली की तलाश की जा रही।

विश्व गठिया दिवस पर अवध अस्पताल द्वारा निकाला गया पद एवं साईकिल यात्रा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , विश्व गठिया दिवस पर गुरवार सुबह करीब 6:00 बजे गठिया रोग जागरूकता के लिए अवध अस्पताल द्वारा अस्पताल से पुरन नगर तक पद यात्रा एवं साईकिल यात्रा निकाला गयो यह यात्रा हिप एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एवं अस्थि जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीत अग्रवाल की उपस्थिति में निकाला गयो इस दौरान कूल्हे व घुटने प्रत्यारोपण करवा चुके लोग इस यात्रा में सम्मलित रहें मुख्य अतिथि के रूप में इस पद यात्रा में सम्मलित नगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी का स्वागत अवध अस्पताल निदेशक सतेंद्र भावनानी ने स्मृति चिन्ह भेट कर कियो इस दौरान पद यात्रा में सम्मलित नानक चंद लखमानी ने बताया कि राजनीति में होने के कारण उनका बाहर आना जाना ज्यादा होता था।दर्द असहनीय होने पर घुटना प्रत्यारोपण का मन बनाया और आज राजनीति में उनकी सक्रियता और भागीदारी पहले से भी ज्यादा बढ़ गई है।अपने घुटनो का प्रत्यारोपण करा चुके अशोक अग्रवाल ने अपने विचार रखें और बताया मात्र दो माह पूर्व उनके दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण हुआ और आज इस पदयात्रा में सबके साथ शामिल हुए है। इसके अलावा अन्य लोगो ने भी अपने अनुभव को शेयर कियो इस पदयात्रा में डॉ. परेश शुक्ला, डॉ. सुरेंद्र भावनानी, डॉ. ऋषि भार्गव, डॉ. अमित चौधरी, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ.प्रीतिका श्रीवास्तव, डॉ. आकाश यादव, डॉ. अनामिका शुक्ला, डॉ. प्राची अग्रवाल, डॉ. अस्मिता श्रीवास्तव, डॉ. काजल सिंह, मेघा शर्मा, संतोष द्विवेदी, ओ.पी. शर्मा एवं अवध अस्पताल के अनेकों कर्मचारी गणों के साथ 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया व स्मृति स्वरूप टी-शर्ट प्राप्त की।

तीन घरों मे चोरो ने किया हाथ साफ

बन्थरा मे चोरो के हौसले बुलन्द चोरो को नही पुलिस का भय

अमन लेखनी समाचार

बंथरा। थाना क्षेत्र के रामचौरा गांव में बुधवार की रात तीन घरों को चोरों ने निशाना बनाया। एक ही रात तीन घरों में हुई चोरी से गांव वाले दहशत में आ गए हैं। उधर, घटना की जानकारी परिजनों को गुरुवार की भोर में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है। पीड़ित ने थाने पहुंचकर तहरीर दी है।

बंथरा थाना क्षेत्र के रामचौरा निवासी विवेक राजपूत के मकान का निर्माण कार्य बस्ती से कुछ दूरी पर अपने खेत में चल रहा था। दिन में मजदूर मकान में कार्य करते है। वही रात में विवेक के दोनों भाई सोने के लिए अपने मकान गए थे। रात में सो रहे विनय राजपूत का आईफोन 14 व राहुल राजपूत का एक स्मार्टफोन और एक रेडमी मोबाइल चोरों ने उड़ा दिया।

इसी गांव के निवासी अजीत पुत्र ब्रम्हा के मकान में घुसे चोरो ने कमरे में रखी पर्स से जेवरात उठा ले गए। उधर चोरों ने तीसरी चोरी की घटना को भी इसी गांव में अंजाम दिया। वार्ड निवासी स्वर्गीय करुणेश की पत्नी प्रीति की आंख खुली तो देखा की दरवाजे का कुंडा टूटा पड़ा है। घर के अंदर जाकर देखा कि बक्से का ताला टूटा हुआ है और कपड़े बिखरे हुए पड़े है। एक पर्स खाली पड़ी है। जिसमें 3 हजार रुपए रखे हुए थे। दोनों परिवारों को घटना की जानकारी भोर में ही हुई। दोनो परिवार अत्यंत गरीबी में जीवन यापन कर रहे है। एक ही गांव में तीन घरों में एक के बाद एक चोरी की घटनाओं को चोर अंजाम देते रहे और कानोंकान किसी को भनक तक नहीं लगी। घटना के बाद ग्रामवासी दहशत में हैं। बंथरा एसआई के पी सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही मयफोर्स पहुंचा था। जांच-पड़ताल कर चोरों की तलाश की जा रही है।

एक्सप्रेस वे पर नियम तोड़ा तो गाड़ी हो जाएगी लॉक, नींद से जगाने के लिए झटके देगी सड़क

लखनऊ, एक्सप्रेस वे और हाइवे पर हादसे रोकने के लिए पहली बार सेंसर आधारित मानीटरिंग सिस्टम को विकसित किया जा रहा है। ओवरलोडिंग, ओवरस्पीड और लेन उल्लंघन पर स्वचालित अलर्ट के बाद पेनाल्टी लगेगी। दायीं लेन खाली न करने पर तीन अलर्ट के बाद कार लॉक हो जाएगी। यूपीडा और फिक्की के सड़क निर्माण टेक्नोलाजी से जुड़े सेमिनार में ये जानकारी आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर बृंद कुमार ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार स्वदेशी सेंसर आधारित मानीटरिंग सिस्टम से हाइवे और एक्सप्रेस वे की निगरानी होगी।

निजी कंपनी में कार्यरत युवती ने मैनेजर पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , आलमबाग क्षेत्र में संचालित एक वीजा कंपनी में कार्यरत युवती ने अपने सीनियर मैनेजर पर छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत करने का आरोप लगा आलमबाग थाने पर की है पुलिस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।आलमबाग थाना कार्यवाहक प्रभारी शिव शंकर महादेवन ने बताया कि थाना क्षेत्र बस अड्डे के पास संचालित वीजा कार्य करने वाली ग्लोबल कंपनी के सीनियर मैनेजर सतीश प्रसाद रजाक के खिलाफ कंपनी में कार्यरत युवती ने छेड़खानी एवं अश्लील हरकत करने का आरोप लगा शिकायत किया हैं पीड़िता का आरोप है कि वह विगत सात आठ माह से कंपनी में काम कर रही है मैनेजर शुरूआती समय से ही उसके साथ गलत नियत भावना से संबंध बनाना चाहता है जिसका वह विरोध करते चली आ रही है और इस बात की शिकायत कम्पनी के अधिकारियो से भी मेल द्वारा की लेकिन कम्पनी द्वारा मैनेजर के खिलाफ कोई कार्यवाई नहीं किया गया जिससे मैनेजर के हौसले बुलंद हो गए और अपने पद का लाभ उठाकर कई बार अभद्र टिप्पणी एवं अश्लील हरकते करता रहा यहाँ तक वह वाशरूम में घुस उसके साथ बदतमीजी किया था इस दौरान उसके कपडे भी फट गए थे बड़ी मुश्किल से वह अपने को बचा पाई थी फिलहाल पुलिस शिकायत पर मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जाँच में जुटी है

संक्षेप

अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने दो बाइकों में मारी टक्कर मासूम समेत तीन घायल

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के हरदोई उन्नाव मार्ग पर थाना गांव के पास मौरंग लदा ट्रैक्टर ने दो बाइकों के टक्कर मार दी। अनियंत्रित ट्राली सड़क पर पलट गई। बाइक पर सवार चार माह की बच्ची और महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया है।.सड़क पर ट्राली पलटने से दोनों ओर जाम लग गया। औरास थाना क्षेत्र के दलनखेडा निवासी छोटू पुत्र बाले अपनी भाभी आसमा पत्नी अरमान व चार माह की भतीजी को बाइक से लेकर उन्नाव जा रहा था। गुरुवार को भतीजी को उन्नाव दवा लेने जा रहा था। माखी थाना क्षेत्र के थाना गांव के नहर पुलिया के पास मौरंग लदे ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक किया। तभी सामने से आ रही बाइक से बचने के लिए बाइक लहरा गई। इसी बीच बाइक को लहराते देख ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर ट्राली सडक पर पलट गई। जिसकी चपेट में दोनों बाइकें आ गई। बाइक सवार तीनो लोग गम्भीर रुप से घायल हो गए। सड़क पर मौरंग लदी ट्राली पलटने से मार्ग जाम हो गया। दोनों ओर एक किमी लम्बी वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी वीरबहादुर सिंह ने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया है। ट्राली को सड़क के किनारे हटवा कर आवागमन शुरू करा दिया गया है।

माल खाने से बैटरी चोरी मामले में हेड दीवान लाइन हाजिर

हसनगंज, उन्नाव। पुराने थाने के मालखाने की दीवार में सेंध लगाकर चोरों ने टावर की रखी 72 बैट्रियां चोरी कर ले गए थे। अज्ञात चोर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद मालखाना इंचार्ज हेड दीवान मंगलवार देर शाम लाइन हाजिर कर दिए गए कोतवाली से महज 50 मीटर की दूरी पर तहसील, सीएचसी व पुराना थाना भवन है। पुराने थाना भवन के मालखाना की दीवार में सेंध लगाकर वहा रखी टॉवर की बैट्री चोरों ने पार कर दी थी। अखबार ने दो अक्टूबर को चोरी की खबर को प्रखमुता से प्रकाशित कर अधिकारियों के संज्ञान में लाया जिसपर एसपी ने तत्कालीन इंस्पेक्टर राजेश सिंह से चोरी की जानकारी पूछी तो इंस्पेक्टर ने वारदात से इंकार कर सफाई पेश कर दी। एसपी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्कालीन कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह को लाइन हाजिर कर चोरी की घटना की जॉच क्राइम इंस्पेक्टर सियाराम राजपूत से मांगी क्राइम इंस्पेक्टर ने मोहरिर सुरजीत सोनकर से माल खाने का दरवाजा खुलवा कर छानबीन की। जहा 72 बैट्रियां चोर पार कर ले गए थे। 6 अक्टूबर को क्राइम इंस्पेक्टर ने थाना में 72 बैट्रियों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मंगलवार देर शाम माल खाना इंचार्ज हेड दीवान सुरजीत सोनकर लाइन हाजिर कर दिए गए क्राइम इंस्पेक्टर सियाराम राजपूत ने बताया कि माल खाना इंचार्ज हेड दीवान सुरजीत सोनकर लाइन हाजिर कर दिए गए हैं जॉच चल रही है।

आईपीएस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस में जिलाधिकारी ने दिये प्रेरणादायक व्याख्यान

अमन लेखनी समाचार

नवाबगंज, उन्नाव। आईपीएस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस स्थित लखनऊ-कानपुर हाईवे सोहरामऊ में मुख्य अतिथि अपूर्वा दुबे जिलाधिकारी ने अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए, इस अवसर पर संस्थान में रंगोली, निबंध प्रतियोगिता व पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपूर्वा दुबे जिला अधिकारी उन्नाव संस्थान के संस्थापक बद्री विशाल तिवारी अध्यक्ष डॉ.जितेंद्र तिवारी वाइस चेयरमैन ऊषा तिवारी ने सरस्वती जी का माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि जिला अधिकारी अपूर्वा दुबे ने छात्र-छात्राओं के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए अपने संबोधन में कहा कि जीवन एक दौड नहीं है बल्कि सीखने की पद्वति है जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें और उस पर निरंतर अपना मूल्यांकन करते हुए प्रयासरत रहें ।साथ ही उन्होंनें छात्राओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। रंगोली प्रतियोगिता में बी.फार्म प्रथम वर्ष की वंशिका चौरसिया,साक्षी शर्मा,एश्वर्य श्रीवास्तव को प्रथम स्थान व बी.फार्म.प्रथम वर्ष केअंकित तिवारी गौरव यादव, चंदन को द्वितीय स्थान पोस्टर प्रेजेंटेशन में बी.फार्म चतुर्थ वर्ष प्रशांत शर्मा ज्ञानेन्द्र को प्रथम स्थान व डी.फार्म द्वितीय वर्ष के आर्येनद चिराग गुप्ता,को द्वितीय स्थान वहीं निबंध लेखन में बी.फार्म प्रथम वर्ष के पूर्णिमा राठौर को प्रथम स्थान व डी.फार्म .द्वितीय वर्ष के हर्ष को द्वितीय स्थान के लिए मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ.जितेंद्र तिवारी सुशील निगम फामेर्सी विभाग के निदेशक डॉ.पुष्पेश कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष प्रो.संतोष कुमार शुक्ला पंचशिला इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या ऊषा दीक्षित डॉ संगीता सिंह, मि.अश्विनी कुमार व कालेज के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे ।

अंत में संस्थान के प्रबंधक बद्री विशाल तिवारी ने आयी हुयी मुख्य अतिथि को पुष्प-गुच्छ व स्मृति चिन्ह प्रदान कर हार्दिक अभिनंदन किया एवं उपस्थित छात्र छात्राओं से कहा कि मन में कार्य करने की लगन एवं द?ण विश्वास हो तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है।और इस के साथ ही उन्होंने हरिवंश राय बच्चन की प्रेरणादायक पंक्तियां असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो से कार्यक्रम का समापन किया।

फसल अवशेष प्रबंधन की विकास भवन समागार में की गई समीक्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेन्ट क्रॉप रेजीड्यू योजनान्तर्गत जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में कम्बाइन्ड हार्वेस्टर के साथ फसल अवशेष प्रबन्धन की विकास भवन सभागार में समीक्षा की गयी।समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा पराली/फसल अवशेष प्रबन्धन को लेकर किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि 18 अक्टूबर से जनपद में वेस्ट डि-कम्पोजर का वितरण किया जायेगा।साथ ही न्याय पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किसान बन्धुओं को पराली प्रबन्धन के प्रति जागरूक करने हेतु किसान पाठशालाएं/गोष्ठियां आयोजित की जा रही है तथा होर्डिंग्स एवं वॉल पेंटिंग भी करायी गयी है। पराली दो-खाद लो, जागरूकता प्रचार वाहन के जरिए लोगों से पराली न जलाने की अपील की जा रही है। यह भी बताया गया कि किसान बन्धु पराली देकर इसके बदले में खाद प्राप्त कर सकते है। बताया गया कि फसल अवशेष जलाने से जड़, तना, पत्तियों में संचित लाभदायक पोषक तत्व नष्ट हो जाते है। मृदा के ताप में बढ़ोत्तरी होती है। जिसके कारण मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। पादप अवशेषों में लाभदायक मित्र कीट जलकर नष्ट हो जाते है। पशुओं के चारे की व्यवस्था पर भी संकट आ जाता है, तथा कभी-कभी किसानों की फसलों एवं आबादी में अग्निकाण्ड की संभावना भी बनी रहती है। इसको लेकर जिलाधिकारी ने किसान बन्धुओं से अपील करते हुए कहा कि किसी भी फसल के अवशेष को जलाएं नही बल्कि मृदा में कार्बनिक पदार्थो की वृद्धि हेतु पादप अवशेषों को मृदा में मिलाएं/सड़ाएं। फसलों की कटाई कम्बाइन हार्वेस्टर मशीन के साथ अनिवार्यरूप से सुपर एस0एम0एस0 अथवा अवशेष प्रबन्धन वाले अन्य यंत्रों का प्रयोग करे।उन्होने बताया है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली द्वारा फसल अवशेष जलाने पर दण्ड अधिरोपित किये गये है।जिसमें कृषि भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से कम होने की दशा में अर्थ दण्ड रू0 2500/-, 2 एकड़ से अधिक किन्तु 5 एकड़ तक रू0 5000/-एवं 5 एकड़ से अधिक होने पर रू0 15000/-प्रति घटना अर्थ दण्ड की व्यवस्था की गयी है। इसके साथ ही खेतो में अवशेष जलाने की लगातार दो घटनाएं होने की दशा में सम्बन्धित किसान को सरकार द्वारा दिये जाने वाले अनुदान आदि से वंचित किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज, अपर जिलाधिकारी नरेन्द्र सिंह, परियोजना निदेशक कमलेश कुमार, उप निदेशक कृषि मुकुल तिवारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 अनिल दत्तात्रेय पाण्डेय, जिला पंचायतराज अधिकारी निरीश चन्द्र साहू सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नवागत प्रभारी निरीक्षक ने शांति व्यवस्था हेतु संभ्रांत लोगो के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। नवरात्र, दशहरा,दीपावली में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कोतवाली में तहसीलदार तरुण कुमार सिंह , कोतवाली प्रभारी राजेश्वर त्रिपाठी ने क्षेत्रीय संभ्रांत, प्रधान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमे तहसीलदार ने ग्रामीणों से त्योहार में सोशल मीडिया पर उड़ने वाली अफवाहों से सावधान रहने को कहते हुए अफवाह फैलाने वालों की तत्काल सूचना देने को कहा।कोतवाली प्रभारी ने लोगो से कहा कि यदि त्योहारों में कोई आसपास शरारती तत्व नजर आए तो तत्काल पुलिस को सूचना दे। इस अवसर पर चेयरमैन ओम प्रकाश कनौजिया, समर जीत यादव, ग्राम प्रधान विपिन द्विवेदी, प्रधान प्रतिनिधि

मौला बाकीपुर शशिकांत सिंह , आदि संभ्रांत लोग मौजूद।

आयोजित दंगल में पहलवानों ने दिखाए अपने अपने दांवपेंच

अमन लेखनी समाचार

नवाबगंज, उन्नाव। ग्राम रसूलपुर में आयोजित दंगल में एक सैकड़ा से अधिक पहलवानों ने अपने-अपने दांव पेंच कर सौर्य का प्रदर्शन किया अंत में विश्वजीत पहलवान मथुरा और शेरू पहलवान जम्मू के बीच किसी ने हार नहीं मानी और अंत में दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया दोनों विजय पहलवान को विधायक बृजेश रावत भाजपा नेता शशांक शेखर सनी सिंह अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर ने दंगल केसरी का खिताब दिया इसके बाद क्षेत्र के दो दिवंगत पत्रकारों में कमलेश तिवारी और बबलू मिश्रा को श्रद्धांजलि दी गई गौरतलब हो कि भारत सिंह व राम मूर्ति सिंह की स्मृति में पिछले कई वर्षों में दंगल का आयोजन होता आ रहा है जिसमें विभिन्न प्रांतो के पहलवान आते हैं आयोजित दंगल में गौरव सिंह विशाल सिंह सुरेंद्र लखापुर अजीत दास अयोध्या अमित हरियाणा सर्वेश उन्नाव अंशुल ओरहर गौरव गौरव मेरठ चंदू गोरखपुर ओम प्रकाश ग्वालियर विपिन उत्तराखंड दिलीप बदरका स्वरूप रहीम नगर पप्पू मर्दन खेड़ा छोटू कानपुर रमेश मथुरा उदयवीर बंथरा राजू कानपुर समेत काफी पहलवानों ने अपने दांव पेच दिखाएं अंत में विश्वजीत मथुरा और शेरु जम्मू पहलवान के बीच फाइनल कुश्ती हुई और दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया इस दौरान हरिकेश सिंह निजामुद्दीन प्रधान आशा खेड़ा आशीष सिंह अमित सिंह सेंगर अविनाश सिंह शमशेर सिंह बालेंद्र सिंह अभेंद्र सिंह सोनू सिंह मोनू दिनेश सिंह पवन सिंह दीपू सिंह समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

अज्ञात मिले युवक के शव की पत्नी ने की पहचान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ में घर से साथियों के साथ जाने की बात कह निकला युवक घर नहीं लौटा। देर शाम तक घर न आने पर पत्नी ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस जांच कर रही थी। चौबीस घंटे बाद बुधवार शाम गोमापुर गांव के पास एक जंगल के पास शव पड़ा मिला। पुलिस ने जांच की। गुमशुदगी दर्ज होने से पत्नी को बुलाकर पहचान कराई। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें फेफड़े फटने के साथ दाहिना हाथ टूटा मिला है।सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव सरांय जोगा निवासी अर्जुन रावत40 वर्ष रोजाना की तरह मंगलवार शाम पत्नी शीला से दोस्तों के साथ काम पर जाने की बात कह निकला था। लेकिन वह रात में घर नहीं लौटा। फोन मिलाया तो वह भी बंद जा रहा था। पत्नी ने पति की थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस जांच कर रही थी। तभी बुधवार शाम को उसका शव मृतक के घर से 12 किलोमीटर दूर गोमामऊ गांव के पास जंगल में पड़ा मिला। पुलिस ने पत्नी को बुलाकर शव की शिनाख्त कराई। पत्नी ने बताया कि पति बिजली के तार कटिंग का काम करते थे। वह रोजाना गांव के कल्लू, सदर कोतवाली के काशीराम कालोनी निवासी जीतेंद्र, अजगैन के दौलतखेड़ा निवासी लल्लू और एक अज्ञात के साथ जाने की बात कह निकले थे। उसके बाद से सभी के फोन बंद जा रहे हैं। पुलिस ने रात में ही नामित लोगों में तीन को पूछताछ के लिए उठा लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तार काटने के दौरान करंट लगने से वह नीचे गिरा और मौत हो गई। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसमें दाहिना हाथ टूटा मिलने के साथ दोनों फेफड़े फटे मिले हैं। पुलिस मृतक और नामित लोगों के मोबाइलों की सीडीआर निकलवा रही है। मृतक के तीन बच्चों में अक्षरा, हर्षिता और अनुपम हैं।एसओ सोहरामऊ अवधेश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। बिजली के तार कटिंग करने की जानकारी हुई है। पूछताछ करने के साथ मोबाइलों के सीडीआर निकलवाए जा रहे हैं।

अवैध वसूली को लेकर सब्जी मंडी आढ़तियों में पनपा रोष,वसूली का वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर की नवीन सब्जी मंडी में कर्मचारियों व अधिकारीयों द्वारा अवैध वसूली की जा रही है। बताया जा रहा है की संडीला रोड पर स्थित नवीन सब्जी मंडी में हो रही अवैध वसूली को लेकर कारोबारियों ने कई बार शिकायत भी कि कुछ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उनसे जबरदस्ती अवैध वसूली की जा रही है। वहीं मंडी के कुछ आढतियों का कहना है कि इन जिम्मेदारों की कई बार शिकायत की गई, लेकिन राजनीतिक पहुंच होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है। सूबे में योगी सरकार है, जोकि अवैध वसूली के कारोबार पर लगाम लगाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है। अब देखना होगा कि राज्य की भाजपा सरकार उक्त मंडी में हो रही अवैध वूसली के कारोबार को लगाम लगाने में कितनी सफल होती है। नवीन गल्ला मंडी बांगरमऊ में सब्जी विक्रेताओं से व खरीदारों से गेट पर धड़ल्ले से वसूली की जा रही है। मान लीजिए आपको एक पैकेट आलू सब्जी के लिए खरीदना है और मंडी परिषद के बाहर आना है तो आपको ?20 तैयार रखना होंगे नहीं तो कार्रवाई की धमकी देते हैं मंडी परिषद के कर्मचारियों सहित होमगार्ड सहित सभी किसानों से सब्जी का भी इंतजाम कर लेते हैं. वह भी निशुल्क अब जरा सोचिए कि हर किसी से कहीं एक लौकी कहीं दो मूली कहीं दो टमाटर तो कहीं सोया मुट्ठी भर हरी मिर्च इस मंडी परिसर में सभी किसानों के ढेर से इसी तरीके से सब्जी इकट्ठा कर अपने लिए इस्तेमाल की जाती है। हालांकि मंडी में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों की करतूत कैमरे में कैद हो चुकी है कि किस तरह से लोगों से वसूली की जाती है। मंडी में तैनात इंस्पेक्टर से मंडी सचिव बने पंकज कुमार राठौर की काराथानी इस वक्त नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है। पद संभालते ही वसूली का काम जोरों पर चालू है. अब आप अंदाजा लगा सकते हैं की जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं और मंडी में तैनात अधिकारी व कर्मचारी बल्ले बल्ले कर रहे हैं।

बीआरसी केंद्र पर आयोजित परीक्षा में सम्मिलित हुए छात्र

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र के एक स्कूल में आज राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विकास खण्ड के परिषदीय उच्च प्रा विद्यालय के छात्र/छात्राओं ने बी आर सी हफीजाबाद मे आयोजित परीक्षा में प्रतिभाग कियेआज हुई परीक्षा में 264 छात्रों के सापेक्ष 241 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुऐ परीक्षा प्रातः 11बजे से प्रारंभ हुई परीक्षा 3 चरणों मे हुई ।जिसमें टॉप 100 बच्चों को चयन एक्सपोजर विजिट हेतु चयन किया गया। जिसमें से 10 बच्चों का चयन विज्ञान प्रदर्शनी में सम्मिलित होने हेतु चयन किया गया जो बच्चे अपने अपने प्रोजेक्ट उन्नाव ले जाएंगे। खण्ड शिक्षाधिकारी विमल प्रकाश श्रीवास्तव, एवं मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य रमेश बाबू की देखरेख में सुचिता के साथ सम्पन्न हुईसफल छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

अकेले गंगा तट पर घूम रही महिला को उसके परिजनो को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नानामऊ गंगा तट पहुंची एक महिला पूरे दिन चर्चा का विषय बनी रही किसी तरह सूचना पर पहुंची एल आई यू कर्मी की सक्रियता से महिला को परिजनो के हवाले कर दिया गया।इस दौरान कई घंटे महिला गंगा तट के किनारे झाड़ियों के आसपास घूमती रही। गुरुवार को दोपहर करीब एक विवाहित महिला बांगरमऊ क्षेत्र के मानामऊ गंगाघाट पर पुल के नीचे गंगा नदी के तट के करीह एकांत के स्थान पर घूमती दिखी सुनसान इलाके महिला को देख कुछ चरवाहों ने उससे जानकारी चाही तो उसने साफ तौर पर नहीं बताया मौके पर मौजूद गांव भुड्डा निवासी मूलचंद ने बताया कि वह गंगा नदी के किनारे अपने पशु चरा रहे थे तभी महिला गंगा तट पहुंची तथा उसके सामने गंगा नदी के पानी में उतर गई तो शंका होने पर वह भी साथ ही पानी में पहुंच गए जिसके बाद महिला पानी से बाहर निकलकर पास स्थित झाड़ियों के पास सुनसान इलाके में बैठ गई इस दौरान महिला को गुस्से में किसी से फोन पर बात करते भी सुना गया।इसी बीच एक शव यात्रा में शामिल होने पहुंचे बांगरमऊ क्षेत्र में कार्यरत एल आई यू कर्मचारी ने शंका होने पर लोगो से पूछताछ की तो किसी तरह पति का नाम पता चला तो उन्होंने काफी प्रयास के बाद उनके पति को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंचे महिला के पति व बच्चे उसे साथ लेकर गंगा तट से चले गए।करीब छह घंटे तक महिला गंगा तट पर ही इधर उधर भटकती देखी गई। लोगो से जानकारी में बताया गया कि महिला बांगरमऊ मंडी में कार्यरत एक प्रभारी रैंक के कर्मचारी की पत्नी थी जो पारिवारिक तनाव के चलते गंगा किनारे पहुंची थी किंतु चरवाहे तथा एल आई यू की सक्रियता से एक अनहोनी घटना होने से बच गई।

ग्राम सभाओं में नही किया गया एंटी लार्वा छिड़काव बढ़ रहा मच्छर का प्रकोप

अमन लेखनी समाचार

मियागंज, उन्नाव। विकास खण्ड मियाँगंज क्षेत्र के अंतर्गत कागजों पर एंटी लार्वा के छिड़काव व साफ सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं फिर भी आम जनमानस को मच्छरों से निजात नहीं मिल पायी है।इसलिए क्षेत्र में डेंगू तेजी से बढ़ता जा रहा है।

विकास खण्ड मियाँगंज की 74 ग्राम पंचायतों में से किसी भी ग्राम पंचायत में अब तक एंटी लार्वा का छिड़काव तो नहीं हुआ है लेकिन छिड़काव के लिए शासन से आये पैसे का बंदरबांट सचिव व प्रधान ने मिलकर कर लिया है इस बात को लेकर आम जनमानस में आक्रोश ब्याप्त है साथ में ही गावों में कचरे से पटी पड़ी नालियां सफायी कर्मियो की पोल तो खोल ही रहीं हैं साथ मे सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के सपने को पलीता लग रहा है मच्छररोधी बीमारियों से बचाव के लिये स्वास्थ्य विभाग ने संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान शुरू किया है इसके तहत मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये लोगों को जागरूक किया जा रहा है, लेकिन गांवों में नियमित सफायी न होने और छिड़काव के अभाव में मच्छरों की तादाद निरंतर बढ़ रही है इससे लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। जगह-जगह झाड़ियां और कूड़े के ढेर, बजबजाती नालियां पंचायतीराज विभाग की सक्रियता की पोल खोल रही हैं जबकि गांवों में साफ सफायी और स्वास्थ्य के नाम पर ग्राम प्रधान एवं एएनएम के खाते में सालाना दस हजार रुपये भेजे जाते हैं।

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की मानी जाये तो इंसेफेलाइटिस व अन्य संक्रामक बीमारियों पर अंकुश लगाने के लिये सरकार की ओर से ग्राम प्रधान और एएनएम के संयुक्त खाते में दस हजार रुपये प्रतिवर्ष भेजे जाते हैं ब्लाक में 74 ग्राम पंचायते हैं, लेकिन कुछ ग्राम पंचायतों को छोड़ दिया जाये तो अधिकतर में सफायी व्यवस्था की हालत काफी दयनीय है। मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव नहीं हो रहा है इस वजह से मच्छरजनित रोगों के फैलने का खतरा बना हुआ है शासन-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन मच्छरों से बचाव का कोई भी प्रबंध नहीं किया जा रहा हैमियाँगंज क्षेत्र में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में हो रही लगातार बढ़ोत्तरी को देख आम जनमानस परेशान हैं।

विकास खण्ड मियाँगंज क्षेत्र में वायरल फीवर ने अपने पाव पसार रखे हैं डेंगू के लक्षणों की भी मरीजों में पुष्टि हो रही है बुधवार को मियाँगंज सीएचसी में लगभग तीन सौ मरीज आये जिसमें सबसे अधिक संख्या बुखार,जुकाम के मरीजों की दिखी सीएचसी प्रभारी नितिन श्रीवास्तव ने बताया कि यह वायरल फीवर मरीज को कमजोर कर देता है जिससे उसको पूर्ण स्वस्थ होने में काफी समय लग जाता है उन्होंने बताया कि यह सब मच्छर जनित बीमारियां हैं इसलिये घर में साफ सफायी रखे पानी कही न जमा होने दे एंटी लार्वा का छिड़काव करें सीएचसी में सभी दवाइयां उपलब्ध है।

हृदय गति रुकने से सीआरपीएफ जवान की मौत

उन्नाव। लोकनगर स्थित एक महाविद्यालय में पड़े सीआरपीएफ के कैंप में तैनात हेड कांस्टेबल की हालत अचानक बिगड़ गई। साथी जवान उसे जिला अस्पताल लाए। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। हृदयगति रुकने से मौत की पुष्टि हुई है।बिहार प्रांत के जिला मुंगेर के थाना धारातारा के गांव शिवकुंड निवासी अशोक कुमार (45) सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल था। मौजूदा समय में वह बटालियन संख्या 239 रामपुर में तैनात था। इसी बटालियन की एक टुकड़ी शहर के लोकनगर मोहल्ले में संचालित चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय में पड़ी हुई है। जिसका नेतृत्व सीओ संजीव कुमार झा कर रहे हैं। यहां पड़ी टुकड़ी में तैनात जवानों की ड्यूटी माखी दुष्कर्म कांड में शामिल लोगों की सुरक्षा में लगी हुई है। खाना खाने के बाद वह सो गया। गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे उसके सीने में अचानक दर्द उठा। हालत बिगडने.पर साथी जवान जिला अस्पताल लाए। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हृदयगति रुकने से मौत की पुष्टि हुई। मृतक का एक छोटा भाई आशुतोष कुमार है। दो बेटों में अमन और आलोक हैं। पति की मौत से पत्नी अर्चना देवी और अन्य परिजन बेहाल हैं।

वृद्धाश्रम में जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2023-2024 के क्रियान्वन के क्रम में कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिमा श्रीवास्तव के दिशा निर्देश में वृद्धाश्रम, तकिया निगोहीं तहसील सफीपुर में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं ह्यमाता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007,ह्व के सम्बन्ध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अपर जिला जज/सचिव मनीष निगम की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गय उक्त जागरूकता शिविर में सचिव ने बताया कि आज के युग में बुढ़ापा एक बहुत बड़ी सामाजिक चुनौती बन चुकी है इसलिए इस अवस्था में जीने वाले नागरिकों की सेवा और सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हालांकि परिवार के बुजुर्ग और माता-पिता आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा-125 के अन्तर्गत भी भरण-पोषण खर्च प्राप्त करने के अधिकारी हैं, परन्तु वो प्रक्रिया सामान्य कानूनी प्रक्रिया की तरह बहुत खचीर्ली और लम्बा समय लेने वाली होती है। इसलिए एक सरल, कम खचीर्ली और तेज गति से कार्य करने वाली प्रक्रिया की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संसद ने एक कानून ह्यमाता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007,पारित किया। इसलिए एक सरल, कम खचीर्ली और तेज गति से कार्य करने वाली प्रक्रिया की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संसद ने उक्त कानून पारित किया। वरिष्ठ नागरिक कानून के अन्तर्गत बच्चों से अभिप्राय पुत्र, पुत्री, सुपौत्र और सुपौत्री से है, परन्तु इसमें अवयस्क बच्चों को शामिल नहीं किया गया। माता-पिता की परिभाषा में पैदा करने वाले माता-पिता के साथ सौतेले माता-पिता को भी शामिल किया गया है। माता-पिता के कल्याण में भोजन, स्वास्थ्य सुविधा, मनोरंजन तथा जीवन के लिए आवश्यक अन्य सभी सुविधाएँ शामिल हैं। भवन में बुजुर्गों को रहने का अधिकार भी जीवन पर्यंत होगा और बैंक से निर्धारित राशि कर्ज के रूप में मासिक या वार्षिक किश्तों में प्राप्त होती रहेगी। जो बुजुर्ग अपने उत्तराधिकारी अथवा रिश्तेदार को अपनी संपत्ति स्थानांतरित कर देते है, परन्तु बाद में अपने भरण पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए धन पाने में असफल रहते हैं, वे ट्रिब्यूनल में अपील कर अपनी जायदाद वापस ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त सचिव ने विधिक कार्यक्रमों के आयोजनों एवं शिविरों के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी तथा तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत- 09.12.2023 अदालत के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की सचिव ने पराविधिक स्वयंसेवक राहुल कुमार को निर्देशित किया कि हर सप्ताह के अन्त में वृद्धाश्रम का निरीक्षण करेंगे तथा रिपोर्ट पेश करेंगेउक्त कार्यक्रम में अनुपमा सिंह नायब तहसीलदार ने कि साठ वर्ष से ऊपर प्रत्येक नागरिक को वरिष्ठ नागरिक का दर्जा प्राप्त है। वे सभी सरकारी सुविधाओं के हकदार हैं। वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे के किराए में चालीस प्रतिशत छूट दी जाती है। सरकारी बसों में कुछ सीटें वरिष्ठ नागरिकों के बैठने के लिए आरक्षित रखी जाती हैं। अक्षम वरिष्ठ नागरिकों की शारीरिक सहायता एवं आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जिम्मेदारी उनकी संतान बेटा हो या बेटी और पोता-पोती पर डाली गई है। जिम्मेदारी न निभाने वाली संतान को दंड का प्रावधान रखा गया है।वृद्धावस्था पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताय उक्त कार्यक्रम में मान सिंह प्रबंधक वृद्धाश्रम ,फूलचन्द्र सरोज एस,आई, घनश्याम ग्राम प्रधान, पराविधिक स्वयंसेवक राहुल कुमार, राहुल श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे मान सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

चिंतन

इजराइल पर हमास का आतंकी हमला निंदनीय

गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास विद्रोही आतंकियों का इजराइल पर हमला निंदनीय है, इससे इजराइल व फिलिस्तीन के बीच जंग की स्थिति पैदा हो गई है। दुनिया पहले से ही रूस व यूक्रेन के बीच एक साल से अधिक समय से जारी जंग से जूझ रही है। अब एक और जंग से दो चार होगी। गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल का जवाबी हमला 'आयरन स्वॉर्ड्स' नाम से लंबे समय तक चलने की संभावना है। हमास चरमपंथियों ने जिए तरह अल्ला हू अकबर नारा लगाते हुए गाजा क्षेत्र में इजराइल पर हमला बोला है, हजारों रॉकेट दागे, जबरदस्त किलेबंदी वाली सीमा को भेदकर घुसपैठ की, इससे एक बार फिर मुस्लिम-यहूदी के बीच टकराव के दौर शुरू होने का खतरा पैदा हो गया है। इस आक्रमण ने 50 साल पहले 1973 में हुए युद्ध की याद दिला दी। हमास के विद्रोही आतंकी इस बार अधिक हिंसक और आक्रामक हैं और इजराइल को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाया है। इजराइलियों के साथ वे अमानवीय व्यवहार भी कर रहे हैं जो किसी भी जंग के नियम के खिलाफ है, लेकिन इससे पता लगता है कि उनके अंदर इजराइलियों के प्रति कितनी नफरत भरी हुई है। इजराइल ने भी जवाबी हमला किया है और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे जंग करार दिया है। आज इधर, ईरान ने हमास का साथ देने का ऐलान किया है, उधर, लेबनान के आतंकी गुट हिजबुल्ला भी हमास का साथ देने कूद गया है, हिज्बुल्ला ने गोलान हाइट्स में इजराइली ठिकानों पर हमला किया, तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका का रुख स्पष्ट करते हुए इजराइल को ठोस मदद का ऐलान किया है। भारत ने भी एक दिन पहले दुख की घड़ी में इजराइल के साथ होने की बात कही है। इजराइल व फिलिस्तीन के बीच यरूशलम को लेकर विवाद बहुत पुराना है। दोनों के बीच पूर्व में कई दौर की वार्ता हो चुकी है, फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात के समय संघर्ष विराम की स्थिति बनी थी। पर हमास के सक्रिय होने के बाद से इजराइल व फिलिस्तीन के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए हैं। इजराइल ने बंधक बनाए गए इजराइलियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिस्र से मदद मांगी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से बात करके हिंसा रोकने का आग्रह किया है। मिस्र, तुर्किये, कतर, सऊदी अरब, जॉर्डन, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समेत क्षेत्र के सभी देशों के नेताओं व यूरोपीय साझेदारों तथा फिलिस्तीनी प्राधिकारियों के साथ अमेरिका लगातार संपर्क में है। लेबनान की दक्षिणी सीमा पर तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने सभी को संयम बरतने का आह्वान किया है। हालांकि वैश्विक संघर्ष का हल करने में संयुक्त राष्ट्र अधिकतर मौके पर विफल ही रहा है। आज से करीब 50 साल पहले, इजराइल 1973 के योम किप्पुर युद्ध का पूर्वानुमान लगाने में विफल रहा था और तब अरब देशों के गठबंधन ने उसकी सीमाओं पर चौंकाने वाला हमला था। हमले के लिए 1973 के युद्ध की तरह जानबूझकर सबाथ और सुक्कोट की यहूदी छुट्टी को चुना गया। इस बार भी इजराइल अति विश्वास का शिकार हुआ और हमास को ताबड़तोड़ हमले का मौका मिल गया। अब तक तय नहीं है कि हमास ने किस रणनीतिक गणना के आधार पर हमले की शुरुआत की, लेकिन आशंका है कि हिंसक संघर्ष जैसे को तैसे के जवाब से परे जा सकता है। यह लंबा खींच सकता है। ईरान या लेबनान की ओर से मोर्चा खोले जाने पर इजराइल की मुश्किल बढ़ सकती है। गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल का जवाबी हमला 'आयरन स्वॉर्ड्स' नाम से चलने की संभावना है। विश्व से आतंकवाद का खात्मा बहुत जरूरी है।

आतंकी हमला

अरविंद जयतिलक

हमास से बढ़ेगा इजराइल का संघर्ष

गत वर्ष पहले अल-अक्सा मस्जिद कंपाउंड में इजरायली पुलिस और फिलीस्तीनियों के बीच जमकर झड़प हुई थी। उस झड़प में एक सौ से अधिक लोगों की जान गई और करोड़ों की संपत्ति नष्ट हुई। चरमपंथी संगठन हमास ने रेगिस्तान के बीच बसे शहर बीर-शिवा और एश्कलोन को निशाना बनाया और जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी स्थित कई महत्वपूर्ण इमारतों के साथ अल जजीरा की कई महत्वपूर्ण इमारतों को ध्वस्त कर दिया। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे देश खुलकर इजरायल के साथ हैं वहीं तुर्की, सीरिया, ईरान, सऊदी अरब और लेबनान जैसे देश हमास का समर्थन कर रहे हैं। भारत ने इजरायल पर हुए हमले की निंदा की है।

पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) एक बार फिर जंग के मैदान में है। गाजा पट्टी पर काबिज आतंकी संगठन हमास ने जल-थल-नभ तीनों ओर से हमला बोलकर इजरायल को दहला दिया है। उसने इजरायल के दक्षिणी शहरों में तकरीबन सात हजार राकेट दागे हैं, जिसमें इजरायल के तीन सौ से अधिक लोगों की जान गई है। तकरीबन दो हजार से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। प्रतिकार में इजरायल ने भी हमास के ठिकानों पर बम बरसाकर कई सौ लोगों की जान ली है। दोनों के बीच अभी भी जंग जारी है। हमास ने इजरायल के कुछ सैनिकों और नागरिकों को बंधक भी बना रखा है। उसने दावा किया है कि इजरायल द्वारा अल-अक्सा मस्जिद को अपवित्र करने का बदला ले लिया है।

याद होगा गत वर्ष पहले अल-अक्सा मस्जिद कंपाउंड में इजरायली पुलिस और फिलीस्तीनियों के बीच जमकर झड़प हुई थी। उस झड़प में एक सौ से अधिक लोगों की जान गई और करोड़ों की संपत्ति नष्ट हुई। चरमपंथी संगठन हमास ने रेगिस्तान के बीच बसे शहर बीर-शिवा और एश्कलोन को निशाना बनाया और जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी स्थित कई महत्वपूर्ण इमारतों के साथ एसोसिएट प्रेस और अल जजीरा की कई महत्वपूर्ण इमारतों को ध्वस्त कर दिया। उस हमले में गाजा के सिटी कमांडर बसीम इस्सा मारे गए थे। इजरायल-हमास संघर्ष ने दुनिया को दो खेमों में बांट दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे देश खुलकर इजरायल के साथ हैं वहीं तुर्की, सीरिया, ईरान, सऊदी अरब और लेबनान जैसे देश हमास का समर्थन कर रहे हैं। भारत ने इजरायल पर हुए हमले की निंदा की है और कहा है कि इस कठिन समय में वह इजरायल के साथ है। अगर यह जंग थमी नहीं तो दुनिया कि शांति भंग हो सकती है, इसलिए और भी कि रूस और यूक्रेन पहले से ही युद्धरत हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बिगड़ते हालात ने अलग ही संकट खड़ा कर दिया है। उधर, चीन ताइवान को लगातार परेशान कर रहा है। चूंकि इजरायल ने हमास के हमले को चुनौती के तौर पर लिया है ऐसे में उसे कड़ा सबक सिखाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। मतलब साफ है कि यह जंग आसानी से थमने वाली नहीं है। अगर दोनों देशों के हालिया विवाद पर नजर दौड़ाएं तो हालात उस वक्त खराब हुए जब इजरायली सुप्रीम कोर्ट ने पूर्वी यरुशलम के शेख जर्रा नामक स्थान से फिलीस्तीनियों के सात परिवारों को निकाले जाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उन घरों को खाली करने का आदेश दिया जो 1948 में इजरायल के गठन से पहले यहूदी रिलीजन एसोसिएशन के अधीन थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिलीस्तीनियों को निकालकर यहूदियों को बसाने की तैयारी हो रही थी। इससे फिलीस्तीनी भड़क गए। नतीजतन इजरायल के कई शहर और कस्बे दंगे की चपेट में आ गए। इन शहरों और कस्बों में अरब और यहूदियों के बीच मारकाट हुई। लोद शहर जो कि अरब और यहूदियों की मिलीजुली आबादी वाला शहर है, वहां स्थिति सबसे अधिक खराब हुई। हिंसा की वजह से इमरजेंसी लगा दी गई। फिलहाल इजरायल ने अपना

मिलिट्री ऑपरेशन तेज करने और गाजा बॉर्डर पर सैनिकों की संख्या बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। इजरायल ने कहा है कि हमारी सेना के गाजा पट्टी और फिलीस्तीन में हमले तब तक बंद नहीं होंगे, जब तक दुश्मन पूरी तरह शांत नहीं हो जाते हैं। गौर करें तो इजरायल और हमास के बीच मौजूदा जंग वर्ष 2014 की गर्मियों में 50 दिन तक चले युद्ध के बाद अब तक का यह सबसे बड़ी जंग है।

अच्छी बात है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों से तनाव कम करने की अपील करनी शुरू कर दी है, लेकिन हालात सुधरेंगे इसमें संदेह है। ऐसा इसलिए कि दोनों पक्ष एक दूसरे का इतिहास-भूगोल बदलने पर आमादा है। दोनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय गोलबंदी की सच्चाई भी किसी से छिपी नहीं है। इजरायल को अमेरिका का खुला समर्थन हासिल है वहीं फिलीस्तीन के कट्टरपंथी संगठन हमास को सीरिया और ईरान का समर्थन हासिल है। ईरान इजरायल के खिलाफ हमास की खुलकर मदद करता है। हमास की अन्य आतंकी संगठनों से भी मिलीभगत है। उसकी मंशा विश्व में इस्लाम का परचम लहराना और इजरायल को नेस्तनाबूद करना है। अमेरिका ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम और मौजूदा तनाव को लेकर पहले से ही भड़का हुआ है। ऐसे में वह नहीं चाहता है कि हमास फिलीस्तीन में मजबूत और इजरायल कमजोर हो। गौरतलब है कि हमास फिलीस्तीनी सुन्नी मुसलमानों की एक सशस्त्र संस्था है जो फिलीस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण की मुख्य पार्टी है। इसका गठन 1987 में मिस्र और फिलीस्तीन के मुसलमानों ने किया था। इसके सशस्त्र विभाग का गठन 1992 में हुआ। इसका उद्देश्य इजरायली प्रशासन के स्थान पर इस्लामिक शासन की स्थापना करना है। गाजा पट्टी क्षेत्र में इसका विशेष प्रभाव है। गाजा पट्टी इजरायल के दक्षिण-पश्चिम में स्थित तकरीबन 6-10 किलोमीटर चौड़ा और 45 किमी लंबा क्षेत्र है। इसके तीन ओर इजरायल का नियंत्रण है और दक्षिण में मिस्र है। पश्चिम एशिया में स्थित इजरायल तीन ओर से अरब राज्यों से घिरा हुआ है। इजरायल का क्षेत्रफल तकरीबन 21946 वर्ग किमी तथा आबादी करीब 70 लाख के आसपास है। फिलीस्तीन पर नजर डालें तो यह भूमध्य सागर के पूर्वी तट पर स्थित ऐतिहासिक राज्य था जिसकी राजधानी यरुशलम थी। यह विश्व के महान ऐतिहासिक स्थलों में से एक और यहूदी तथा ईसाई धर्मों का जन्म स्थान है। 1930 के दशक में जर्मनी में नाजी अत्याचारों के कारण भारी संख्या में यहूदी शरणार्थी यहां आकर बसे। इससे यहूदियों और अरबों में शत्रुता बढ़ गई। वह शत्रुता अब विकराल रूप धारण कर चुकी है।

अरब जगत इजरायल को एक खंजर की तरह मानता है जिसने अरब जगत को काटकर टुकड़ों में विभक्त कर दिया है। 1948 में इजरायल में बसे अरबों के लिए अर्मिस्टाइस रेखा का निर्धारण हुआ जिसके तहत गाजा पट्टी में अरब जो सुन्नी मुस्लिम हैं, रहना सुनिश्चित हुआ, लेकिन 1948 से लेकर 1967 तक इस पर मिस्र का अधिकार रहा। 1967 की छह दिन की लड़ाई में इजरायल ने अरबों को निर्णायक रूप से पराजित कर इस पट्टी पर अपना अधिकार जमा लिया, किंतु 38 वर्ष बाद 2005 में इजरायल ने फिलीस्तीनी स्वतंत्रता संस्था के साथ हुए समझौते के तहत गाजा पट्टी से बाहर हटने का निर्णय लिया और साथ ही उसने गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर स्थित यहूदी बस्तियों को हटाने का भी फैसला लिया, लेकिन स्थिति तब बिगड़ गई जब चरमपंथी संगठन हमास ने 2006 में फिलीस्तीनी संसद के चुनावों में कुल 132 सीटों में 76 सीटें कब्जा ली और इजरायल को मान्यता देने से इनकार कर दिया। उसने 2008 में संघर्ष विराम के बाद भी गाजा पट्टी से इजरायल के दक्षिणी हिस्से पर हमला बोलना शुरू कर दिया। दरअसल हमास का मकसद इजरायल को समाप्त करना है।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल

संकलित

दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

मृत्यु अटल है, जो समझते हैं वे रहते हैं प्रसन्न

संकलित

प्रेरणा

एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तुरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

सारा संसार

तिरुपति बालाजी मंदिर आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में तिरूमाला की पहाड़ी पर स्थित एक ऐतिहासिक मंदिर है जो अपनी चमत्कारिक शक्तियों की वजह से आस्था का केंद्र बना हुआ है। बता दे भारत के प्रमुख चमत्कारी मंदिर में से एक तिरुपति बालाजी मंदिर को वेंकटेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है।

विश्व डाक दिवस

प्रत्यूष शर्मा

डाक विभाग की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

वर्तमान में सूचना एवं संचार क्रान्ति के कारण कई नई तकनीकों का आविष्कार हुआ है, पर डाक-विभाग ने समय के साथ नव-तकनीक को शामिल किया है और अपनी सेवाओं में विविधता एवं अपने व्यापक नेटवर्क के चलते विभिन्न संगठनों के उत्पादों व सेवाओं के वितरण के लिए उनसे गठजोड़ करके अपनी निरन्तरता कायम रखी है। डाक प्रणालियां कई सदियों से चली आ रही हैं। इतिहास में बहुत पहले से ही लोग एक-दूसरे को पत्र भेजते थे। इन्हें विशेष दूतों द्वारा पैदल या घोड़े पर पहुंचाया गया। 1600 के दशक से कई देशों में पहली राष्ट्रीय डाक प्रणालियां उभरने लगीं। ये अधिक व्यवस्थित थे और कई लोग इनका उपयोग कर सकते थे। धीरे-धीरे देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल के आदान-प्रदान के लिए सहमत हो गए। 1800 के दशक के अंत तक वैश्विक डाक सेवा मौजूद थी, लेकिन यह धीमी और जटिल थी। डाक सेवाएं सदियों से संदेशों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करती आ रही हैं। डाक सेवा की दक्षता का श्रेय यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के जन्म को दिया जा सकता है, जो दुनियाभर में दूसरा सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय संगठन है। 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के जन्म ने आज प्रभावी डाक सेवा का रास्ता खोल दिया। 1948 में यह संस्था संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी बन गई। पूरी दुनिया में 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 9 अक्टूबर 1874 को यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के गठन के लिए बर्न, स्विटजरलैंड में 22 देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, इसी कारण 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाना आरम्भ किया गया। यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई राष्ट्र था, जो 1 जुलाई 1876 को इसका सदस्य बना। वर्ष 1969 में टोक्यो में हुई यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन, कांग्रेस में सर्वप्रथम 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। वहीं भारत में डाक दिवस 10 अक्तूबर को मनाया जाता है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में डाकघरों की स्थापना शुरू की थी। भारत में पहला डाकघर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1764 में बॉम्बे में स्थापित किया गया था। अपने देश में 1766 में लार्ड क्लाइव ने पहली बार डाक व्यवस्था स्थापित की थी। फिर 1774 में वॉरेन हेस्टिंग्स ने कलकत्ता में प्रथम डाकघर स्थापित किया था। भारत में सन 1852 में पहली बार चिट्ठी पर डाक टिकट लगाने की शुरुआत हुई तथा महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला डाक टिकट 1 अक्तूबर 1854 को जारी किया गया। डाक सेवाओं का एक और अभिन्न अंग मनी ऑर्डर है। यूं तो आज पैसे कहीं से भी सीधे बैंक में ट्रांसफर हो जाते हैं ,

अंतर्मन

आज की पाती

जातीय जनगणना से छिड़ी सियासी जंग

बिहार में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों से राजनीतिक हलकों में बेचैनी पैदा करना स्वाभाविक है और पिछड़ों व सामान्य वर्ग के बीच सियासी जंग छिड़ सकती है। गौरतलब है कि बिहार में सामान्य वर्ग की जनसंख्या 15.32 और पिछड़ी जातियों की 84.48 फीसदी बताई गई है, जबकि आज तक आरक्षित वर्ग को 49.50 फीसदी नौकरियां मिलती रही हैं और 15.32 फीसदी को 50.50 फीसदी मिलता रहा है, यानी फायदा ही फायदा। मेरा मानना है कि समस्त देश में जाति, गरीबी, अमीरी की जनगणना कराने की जरूरत होगी ताकि जनसंख्या के आधार पर सरकारी नौकरियों में आरक्षण का नया फार्मूला तैयार किया जा सके और विधायकों व सांसदों के लिए जाति के आधार पर नए सिरे से चुनावी क्षेत्र का गठन किया जा सके। - *नरेश वर्मा, अंबिकापुर*

ट्रेंड

ऐतिहासिक उपलब्धि

एशियाई खेलों में भारत के लिए यह कितनी ऐतिहासिक उपलब्धि है! पूरा देश इस बात से बेहद खुश है कि हमारे अविश्वसनीय एथलीटों ने अब तक के सर्वाधिक 107 पदक जीते हैं, जो पिछले 60 वर्षों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रोग के कारण पर काम करें

वर्तमान में जो चिकित्सा प्रणालियां प्रचलित हैं, उनमें रोगी का तात्कालिक उपचार रोग के प्रकार-लक्षण और निदान से संबद्ध है, और यह प्रणाली अत्यंत कारगर भी है। मात्र रोगी का नहीं अपितु रोग के उद्भव के मूल कारण को खोजकर उसके ऊपर प्रहार करना है।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

बातचीत से हल निकालें

कांग्रेस इजराइल के निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर हमलों की निंदा करती है। कांग्रेस का सदैव मानना रहा है कि आत्मसम्मान, समानता और गरिमा के जीवन के लिए केवल बातचीत की प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए।

-जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

बुद्धि तुम्हारा पीछा कर रही

मैंने स्वामी हर्षानंद से पूछा 'मैं किसी व्यक्ति को कैसे बताऊं कि तुम बहुत मूर्ख हो?' उन्होंने मुझसे कहा कि 'बुद्धि तुम्हारा पीछा कर रही है, लेकिन तुम हमेशा तेज रहे हो।' बिल्कुल शानदार

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

दशकों से महिलाओं के लिए आवाज उठा रही नरगिस

नोबेल पुरस्कार देने वाली समिति का कहना है कि वर्ष 2022 में महसा अमीनी की अन्यायपूर्ण मौत का विरोध करने के लिए ईरानियों द्वारा अपनाया गया नारा 'नारी, जीवन, स्वतंत्रता' इस साल की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी के काम का सबसे उपयुक्त वर्णन है। शिरीन एबादी को मिले नोबेल पुरस्कार के ठीक 20 साल बाद इस पुरस्कार को पाने वाली मोहम्मदी दूसरी ईरानी महिला हैं। लोकतंत्र को बढ़ावा देने और शरिया कानून के तहत कानूनी सुधार शुरू करने के लिए शिरीन को वर्ष 2003 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मोहम्मदी चौथी नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हैं,

ऑफ बीट

शिशु फार्मूला मशीनें तय तापमान तक नहीं पहुंची

जब आपके घर में कोई नवजात शिशु होता है, तो ऐसा महसूस हो सकता है जैसे उससे जुड़ी हर बात पर चिंता करने के लिए अचानक हजारों चीजें हैं।

शुरुआती हफ्तों में माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चिंता नवजात के भोजन को लेकर होती है। हमारे नए अध्ययन ने एक लोकप्रिय फीडिंग डिवाइस - फार्मूला तैयार करने वाली मशीन - के बारे में सवाल उठाए हैं। एक परीक्षण में हमने पाया कि फार्मूला तैयार करने वाली केवल 15% मशीनों ने पानी उस स्तर तक गर्म किया जो शिशु फार्मूला तैयार करने के लिए एनएचएस की सिफारिशों को पूरा करने के लिए पर्याप्त था।

संक्षेप

पूर्व प्रधान की शिकायत पर ग्राम प्रधान व सचिव पर दर्ज हुआ मुकदमा

उन्नाव। विकास खंड असोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत असावर के पूर्व प्रधान शिवकुमार चौरसिया ने वर्तमान प्रधान देवेश सिंह पर अपने कार्यकाल में बने पंचायत भवन का मरम्मती करण का भुगतान संबंधित फर्म में न करके एक दूसरी फार्म परिमल पाइप उद्योग में 75000 का भुगतान करने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र पंचायती राज उत्तर प्रदेश को दिया था ,मामले को संज्ञान में लेते हुए विभाग ने परियोजना निदेशक डी आर डी ए को जांच के लिए आदेशित किया , जांच के दौरान वर्तमान प्रधान ने 75000 हजार के सपेच्य 60000 रुपए का भुगतान परिमल पाइप उद्योग को भुगतान करना स्वीकार किया गया ।पत्रा वली में उपलब्ध अभिलेखों में वर्तमान प्रधान वा पूर्व में रहे ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेश सिंह ने नियमों के विपरित बिना प्रक्लन के इंट्रलाकिंग हेतु टेंडर जारी कर कर कार्य कराया गया ।जिला मजिस्ट्रेट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रधान वा ग्राम पंचायत अधिकारी पर धोखाधड़ी वा सरकारी संपत्ति का गलत दुरपयोग संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करने का आदेश दिया । थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया की सहायक खंड विकास अधिकारी के प्रार्थना पत्र पर प्रधान वा सचिव पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है ।

रेलवेट्रैक किनारे मिला युवक का शव हत्या की आंशका

उन्नाव, पुलिस। चौकी क्षेत्र के अंतर्गत दयालखेड़ा रेलवे क्रासिंग के आगे खम्भा नं 62/3 के पास ट्रैक किनारे गुरुवार को एक युवक का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद मौके पर पहुंच मृतक के परिजनों ने उसकी पहचान बेटे छोटू पुत्र होरी लाल निवासी बाबा खेड़ा , मसवासी के रूप में की। मृतक की मां ने गांव के पास स्थित एक कबाड़ फैक्ट्री के मालिक पर बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। जहां वह काम करता था। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को सीजकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस का कहना है कि ट्रेन से कटकर युवक की मौत होने का मामला लग रहा है। पीएम के बाद ही मौत का असली कारण स्पष्ट हो सकेगा।मृतक के पांच भाई और तीन बहनें थी। जिनमें से एक भाई और एक बहन की शादी हो चुकी थी। मृतक अविवाहित था। वह गांव में एक कबाड़ की फैक्ट्री में काम करता था।

अमेठी में बुजुर्ग पर हमला

अमेठी जिला, अमेठी में दबंग युवक की दबंगई सामने आई है जहां युवक के घर पर मृत पशु ना फेंकने से नाराज युवक ने बुजुर्ग की पिटाई कर दी। युवक की पिटाई से बुजुर्ग का हाथ और पैर टूट गया है। फिलहाल अमेठी सीएचसी में बुजुर्ग का इलाज चल रहा है। बुजुर्ग के बेटे ने आरोपी युवक के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दरसल पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के कोरारी गिरधर शाह गांव का है

समाज को जागरूक करने का कार्य भी करती रहती है एसएसबीः चेयरमैन

सामाजिक चेतना अभियान के तहत एसएसबी ने किया मुर्गी चूजों का वितरण

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। गुरुवार को 42वीं वाहिनीं सशस्त्र सीमा बल बहराइच-क की आधीन सीमा चौकी रंजीतबोझा कार्यक्षेत्र अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय रंजीत बोझा में कमांडेन्ट गंगा सिंह उदावत की अगुआई में गुरुवार को सामाजिक चेतना अभियान कार्यक्रम (दीर्घ) का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा.उमाशंकर वैश्य चेयरमैन, रुपैडिहा रहे। मुख्य अतिथि एवं कमांडेंट महोदय के द्वारा सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्कूली बच्चे व मानव सेवा संसथान के कार्मिको द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भव्य प्रस्तुति दी गयी जिसने दर्शकों के मन को मोहित किया। इसके उपरांत सीमावर्ती क्षेत्र के जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने एवं मुर्गी पालन को बढावा देने के उद्देश्य से देशी मुर्गी के चूजों का वितरण किया गया जिसमें 40 स्थानीय ग्रामीण लाभान्वित हुए। साथ ही निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे ग्रामीणों ने अपने पशुओं का इलाज कराकर निःशुल्क दवाइयां प्राप्त की। मुख्य अतिथि चेयरमैन उमाशंकर वैश्य के ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि एसएसबी न केवल हमें सीमा पर सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि हमारे ग्रामीणों को समय समय पर इस प्रकार की सामग्रियों का वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे समाज को जागरूक करने का कार्य भी करती रहती है इसके लिए हम सभी एसएसबी का धन्यवाद करते है। कार्यक्रम के समापन पर कमान्डेंट ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती व दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को भारत सरकार की ओर से चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना तथा लाभान्वित करना है।

उन्होंने बताया कि हमारी वाहिनी द्वारा जल्द ही कंप्यूटर प्रशिक्षण,सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण एवं किसानों के लिए मशरूम उत्पादन का निःशुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान श्री कुञ्ज बिहारी (प्रधानाध्यापक), उच्च प्राथमिक विद्यालय रंजीतबोझा, योगेन्द्र वर्मा ग्रामप्रधान, निरीक्षक देवांशीस खरे (कइ) तथा एसएसबी के डा.विकास सिंह उप-कमांडेंट पशु चिकित्सक, सहायक कमांडेंट बाशुकी नंदन पाण्डेय, सहायक कमांडेंट सौरव रंजन तथा निरीक्षक भास्कर कुमार, संजय कुमार सहित सभी जवान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

किसान रामप्रवेश व कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा को मिला सम्मान

किसान मेले में कृषि विज्ञान केंद्र व किसान का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या में आयोजित किसान मेले में किसान व कृषि विज्ञान केन्द्र को सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं अपर निदेशक प्रसार डॉक्टर आर.आर. सिंह के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में दो दिवसीय विराट किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ संजीव बालियान केंद्रीय राज्य मंत्री मत्स्य एवं डेयरी भारत सरकार द्वारा किया गया। मेले में विभिन्न खाद, उर्वरक, बीज एवं कंपनियों के स्टॉल मेले में लगाए गए, जिससे कृषकों में उन्नत प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराया जा सका। मेले के दौरान पूर्वांचल के 26 प्रगतिशील कृषकों के कृषि के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य किए जाने के परिपेक्ष में कृषकों को मुख्य अतिथि के द्वारा बहराइच के ब्लॉक मिहींपुरवा नैनिहा निवासी किसान राम प्रवेश मौर्य को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया गया। मेले के समापन के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा को भी उसके उत्कृष्ट कार्यो एवं मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जाने के परिणाम स्वरूप केंद्र के वैज्ञानिको एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष को महानिदेशक उपकार लखनऊ डॉ संजय सिंह के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आवागमन पुल की टूटी रेलिंग कर रही किसी बड़े हादसे का इंतजार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र पाटन की व्यस्ततम सड़कों में से एक पाटन से पुरवा मार्ग पर लोन नदी पर बने पुल की रेलिंग टूट जाने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पाटन से पुरवा मार्ग के बीच मीरमऊ से बैजुवामऊ के बीच लोन नदी में बने पुल की रेलिंग को लेकर विभागीय जिम्मेदार उदासीन हैं, जिससे कभी भी रेलिंग हादसे का सबब बन सकती है। क्षेत्रीय लोगों ने टूटी हुई रेलिंग को बनवाये जाने की मांग की है। लोन नदी पुल का निर्माण व रोड़ का चौड़ी करण होने के बाद इस मार्ग से आवागमन काफी बढ़ गया है। फतेहपुर कानपुर उन्नाव लखनऊ समेत अनेक जिलों से हजारों छोटे बड़े वाहन दिन रात आवागमन करते हैं। इसके अलावा सैकड़ों बच्चे रोजाना स्कूल आते जाते हैं। इसके बावजूद रेलिंग बनाये जाने को लेकर विभागीय जिम्मेदार उदासीन हैं, जिससे कभी भी रेलिंग हादसे का सबब बन सकती है। क्षेत्रीय लोगों ने टूटी हुई रेलिंग को बनवाये जाने की मांग की है।

एसपीवीपी इंटर कालेज 83 मेडल जीत कर बना आल ओवर चैंपियन

विद्यालय द्वारा भी विजेताओं को किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार/मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच।माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के जनपद स्तरीय एथेलेटिक्स खेल कूद प्रतियोगिता 2023 में एसपीवीपी इंटर कॉलेज सेमरहना ने 83 मेडल प्राप्त कर ऑल ओवर चैंपियन बना है। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रत्येक वर्ष खेलकूद प्रतियोगिता करता है। यह प्रतियोगिता जनपद स्तर से शुरू होकर नेशनल स्तर तक होता है ।इस वर्ष शहर के इंदिरा स्टेडियम में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता रखी हुई थी। जिसमें 23 विद्यालयों ने भाग लिया है । एसपीवीपी इंटर कॉलेज के छात्र आशुतोष मौर्य 100 और 200 मीटर लंबी कूद जूनियर वर्ग में प्रथम, अभिषेक मौर्य 400, 600, 200 सब जूनियर में प्रथम, अंगद मौर्य गोला फेक जूनियर वर्ग में प्रथम, बॉबी देओल भाला फेक, चक्का फेक सीनियर वर्ग में प्रथम, नरेन्द्र मौर्य भाला और 100 मीटर दौड़ में प्रथम, विकास साहनी 400 मीटर, 800 मीटर, 100 मीटर जूनियर वर्ग में प्रथम, उदय राज 1600 और 3000 मीटर दौड़ जूनियर वर्ग में प्रथम, अभिषेक कुमार 1600 मीटर, 5000 मी सीनियर वर्ग में प्रथम, शाहिद 100 और 200 मी सब जूनियर में प्रथम, कुमारी अंशु 800 मी सीनियर वर्ग में प्रथम, महक मौर्य 200 मी सीनियर वर्ग में प्रथम, चांदनी कुमारी 400 मीटर, 800 मीटर सीनियर वर्ग में प्रथम, प्रतीक्षा कुमारी चक्का फेक, गोला फेक सीनियर वर्ग में प्रथम, अर्चना कुमारी 800 मीटर जूनियर वर्ग में प्रथम, अनुष्का कुमारी लंबी कूद ,चक्का फेंक, गोला फेक सब जूनियर में प्रथम, रूबी कुमारी 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर सीनियर वर्ग में द्वितीय, किशन कुमार 400 मीटर, 100 मीटर जूनियर वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए कुल 22 सवर्ण सहित रजत और कास्य मिलकर 83 मेडल प्राप्त किये। इस तरह एसपीवीपी इंटर कालेज सेमरहना ने खेल प्रतियोगिता में अपना लोहा मनवाया। गेम टीचर उपेंद्र कुमार दीक्षित ने बताया की विद्यालय के पास बच्चों को खेलने के लिए बहुत बड़ा ग्राउंड है। विद्यालय में सभी खेल सामग्रियां उपलब्ध है। विद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं और तैयारी हमेशा कराई जाती रहती है। उसी का परिणाम है की इतनी बड़ी संख्या में विद्यालय के बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके उपलक्ष्य में विद्यालय के द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्रबन्धक अनिल कुमार कुशवाहा, प्राचार्य दुर्गेश कुमार गेम खेल शिक्षक उपेंद्र कुमार दीक्षित, धीरज कुमार सहित सभी विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।तथा आगे की प्रतियोगिता में भी विजयी होने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शिक्षक अमरनाथ, राजेंद्र कुमार, अशोक कुमार, अवधेश कुमार जायसवाल, सुधीर कुमार सिंह, बृजलाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी अध्यापको ने मंडल और स्टेट स्तर पर भी प्रतियोगिता में जनपद का नाम रोशन करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

पेड़ से टकराने पर जाइलो वाहन आग में हुई तब्दील

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। थाना फखरपुर क्षेत्र के अंतर्गत निकट पारले मिल कोठारा जाने वाले मार्ग के सामने बहराइच की तरफ से कैसरगंज जा रही जाइलो गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

देखते ही देखते वाहन में आग लग गई। राह चलते लोगों की मदद से ड्राइवर को किसी तरह बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। गाड़ी आग के गोले में तब्दील हो गई।

नेशनल हाईवे की एंबुलेंस की सहायता से घायल ड्राइवर को बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर भेजा गया। घटना की सूचना थाना फखरपुर की पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी ने बताया कि ड्राइवर बेहोशी के हालत में है। जेब से आधार कार्ड मिला है, उसकी पहचान लालता प्रसाद पुत्र रामनरेश निवासी रेवली थाना कैसरगंज हुई है।

वृहद गौ संरक्षण केन्द्र का विधायक महसी ने किया उदघाटन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। तहसील महसी के ब्लाक फखरपुर की ग्राम पंचायत गौहनिया में रू. 1.20 करोड़ की लागत से निर्मित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र का मुख्य अतिथि विधायक महसी सुरेश्वर सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर उदघाटन किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी महसी राकेश कुमार मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी जय प्रकाश त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी महसी डॉ. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, पशु चिकित्साधिकारी फखरपुर सुभाष चन्द्र मौर्य, सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। वृहद गौ संरक्षण केन्द्र के निरीक्षण के पश्चात मुख्य अतिथि ने यहां पर संरक्षित गौवंशों की पूजा की तथा गुड़, फल, चना व हरा चारा खिलाकर गौसेवा की। संरक्षण केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पर बताया गया कि यहां पर गौवंशों के रहने हेतु 04 पशु शेड, पानी की चन्नी 04 अदद, सबमर्सिबल बोरिंग तथा भूसा गोदाम का निर्माण किया गया। वर्तमान समय में यहां पर 35 गौवंश संरक्षित हैं जिनके लिए लगभग 10 कुण्टल भूसा उपलब्ध है। विधायक श्री सिंह ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप संरक्षित गोवंशों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें।

आपसी भाईचारे के साथ मनाएं आगामी पर्वः दद्दन सिंह

जरवल कस्बा चौकी प्रांगण में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। थाना जरवल रोड के अंतर्गत जरवल कस्बा चौकी प्रांगण में आगामी पर्व के लिए शांति समिति की बैठक की गई। आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए थाना प्रभारी जरवल रोड दद्दन सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के अनुसार ही आगामी पर्व दुर्गा पूजा आपसी भाईचारे के साथ मनावे। किसी भी नई परंपरा को बढ़ावा ना दें। मूर्तियों के आकर में बहुत वृद्धि न करे, पूजा पंडाल मे कमेटी के सदस्य समयनुसार ड्यूटी लगा कर व पुलिस के जवान सुरक्षा मे मौजूद रहेंगे। अग्नि कांड से बचाव के लिए बालू व पानी की बल्टिया भर कर रखे। नायब तहसीलदार पीपी गिरी ने हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष सचिन गर्ग की अतिक्रमण की शिकायत को लेकर आश्वस्त किया की रास्ते मे पड़ने वाले सभी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया जायेगा। ईओ खुशबु यादव ने कहा दुर्गा पूजा को देखते हुए पूरे नगर में नालियों की सफाई व रास्तों को साफ रखने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। आयोजित बैठक को लोकतंत्र सेनानी प्रमोद गुप्ता, पूर्व चेयरमैन सैयद जाफर मेहंदी एडवोकेट, चौकी इंचार्ज दीवान असलम खान आदि लोगो ने भी संबोधित किया।

अवैध कच्ची शराब बनाते रंगे हाथों पकड़ा गया अभियुक्त

मोतीपुर पुलिस की कार्रवाई से मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। थाना मोतीपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कर अवैध कच्ची शराब बनाते रंगे हाथों अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से अवैध कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। अभियुक्त के ऊपर मुकदमा पंजीकृत कार्यवाही की गई है ।पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ,अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डाक्टर पवित्र मोहन त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्र अधिकारी राहुल पांडे के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर श्रीधर पाठक ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया। जिसमें मुखबिर की सूचना पर ग्राम लालपुर चंदाझार के मजरा चमारन पुरवा गन्ने के खेत में छापेमारी की जहां एक व्यक्ति भट्टी पर अवैध कच्ची शराब बन रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया। अभियुक्त की पहचान राधेश्याम पुत्र राम शंकर के रूप में हुई। प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अवैध कच्ची शराब बन रहा था। मौके से दबोचा गया है जिसके कब्जे से 150 लीटर अवैध कच्ची शराब, चार हजार लीटर लहन तथा शराब बनाने के उपकरण में एक ड्रम नलकी पाइप बाल्टी, 2 किलोग्राम यूरिया, 2 किलोग्राम नौसादर, तथा एक इंजन पंप सेट व एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। गिरफ्तार अधिक के ऊपर मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की गई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक विजय कुमार ,मनोज कुमार राव, हरिद्वार तिवारी ,हेड कांस्टेबल रामानंद यादव ,सिपाही गौरव कुमार ,रमाकांत सिंह शामिल रहे।

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जनपद में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा हेतु विगत दिवस कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। नहरों के संचालन एवं स्थानीय कृषकों द्वारा अवैध रूप से की जा रही नहर कटिंग पर प्रभावी अंकुश के लिए उपाध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक का संचालन अधि.अभि. स.न.ख. पंचम/सदस्य सचिव दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर अधि.अभि. स.न.ख. प्रथम नानपारा अनिल कुमार गुप्ता, सहा.अभि. स.न.ख.-3 बहराइच के राजेश गुप्ता, खण्ड-प्रथम बहराइच के संदीप चौहान, रोहित कुमार व पुष्कर शुक्ला, खण्ड चतुर्थ के विरेन्द्र गुप्ता, स.न.ख.-प्रथम बलरामपुर के अरविन्द कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी रामचन्द्र, सहा.अभि. नलकूप के नेम सिंह, अवर अभियन्ता विद्युत अजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिला 25 वर्षीय महिला का शव

अमन लेखनी समाचार

पयागपुर बहराइच। थाना पयागपुर के चौकी मलावा क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर-बहराइच मार्ग पर मलावा गांव के निकट झाड़ियों में मिला अज्ञात महिला शव बृहस्पतिवार को सड़क किनारे शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम गांव पहुंची। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा भी घटनास्थल पर पहुंच गए। जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। गोंडा बहराइच मार्ग पर पयागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मलावा गांव के निकट से सरयू नहर की शाखा निकली है। उसी के सामने झाड़ियां हैं। बृहस्पतिवार को क्षेत्र के लोग आवागमन कर रहे थे। आवागमन के दौरान कुछ लोगों ने एक महिला का शव झाड़ियों में पड़ा देखा। इस पर लोगों में हड़कंप मच गया। पयागपुर थाने में घटना की सूचना दी गई। थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। महिला के शव मिलने की सूचना थानाध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक को दी। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा भी गांव पहुंच गए। फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए पहुंची। थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि संभवतः महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला की उम्र 25 वर्ष के आसपास है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पहचान और खुलासे के लिए पुलिस टीम लगी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना स्थल पहुंचे एसपी प्रशांत वर्मा ने मामले की जांच कर पुलिस को महिला की पहचान और घटना के खुलासे के निर्देश दिए हैं।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत निकाली गई रैली

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे विधायक नानपारा व बलहा विधायक

विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख विजय वर्मा, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विकास खण्ड बलहा की सभी न्याय पंचायतों से अमृत कलश यात्रा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शिवाले बाग नानपारा से कलश यात्रा की रैली खंड विकास अधिकारी बलहा संदीप तिवारी की अगुवाई में निकाली गयी। जिसका विश्राम ब्लॉक मुख्यालय बलहा पर हुआ। भारी संख्या में न्याय पंचायतों से आई महिलाओं की सहभागिता रही। बलहा विधायक सरोज सोनकर व नानपारा विधायक राम निवास वर्मा द्वारा विकास खंड परिसर में अमरूद के वृक्ष रोपे गए। विकास खण्ड में लगी प्रतिमा पर विधायक सरोज सोनकर व विधायक राम निवास वर्मा द्वारा फूलों की वर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी बलहा संदीप तिवारी, पिछड़ा वर्ग के भाजपा जिला अध्यक्ष कृपाराम वर्मा, ब्लॉक प्रमुख बलहा विजय कुमार वर्मा, विधायक प्रतिनिधि बलहा आलोक जिंदल, प्रधान संघ अध्यक्ष बलहा, ग्राम पंचायत अधिकारी संदीप त्रिपाठी, मिथिलेश कुमार यादव, रविंद्र यादव, आशीष शर्मा, रामनरेश, ग्राम विकास अधिकारी विजय कुमार, रामनारायण मौर्य, कुमार आशुतोष, अटल बिहारी सहित समस्त प्रधान व सभी न्याय पंचायतों से आयी महिलाएं शिक्षक, शिक्षकाएँ मौजूद रहीं।

संक्षेप

जबरन कब्जा कर रहे ग्रामीणों ने की मारपीट कई घायल

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर, फतेहपुर। जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाखा गांव निवासी पीड़ित सुमन देवी पत्नी धर्मेंद्र सिंह ने नजदीकी थाना गाजीपुर में लिखित तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाई तहरीर देते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि महिला अपनी जमीन में साफ सफाई का कार्य कर रही थी उसी समय ग्रामीण वीरेंद्र पुत्र सूरज मनीष पुत्र वीरेंद्र यादव समरजीत पुत्र अर्जुन श्यामजीत पुत्र अर्जुन आदि ने साफ सफाई करने से मना कर दिया तथा जबरन पीड़ित की जमीन में कब्जा कर लिया विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए उक्त व्यक्ति पत्थर तथा लाठी डंडों से मारपीट करने लगे जिसमें महिला सुमन पत्नी धर्मेंद्र राघवेंद्र पुत्र धर्मेंद्र रेनू पत्नी भूपेंद्र सिंह ज्ञानेंद्र पुत्र भूपेंद्र सिंह आदि गंभीर रूप से घायल हुए मारपीट के पस्चात प्रशासन ने पीड़ित महिला की तहरीर स्वीकृत करते हुए घायलों को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा वही थाना प्रभारी ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट आने के पश्चात विधिक कार्रवाई की जाएगी

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की दो दिन बाद मृत्यु

अमन लेखनी समाचार

औग, फतेहपुर। नेशनल हाईवे स्थित थाना क्षेत्र के ग्राम दुगार्गंज में दो दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में घायल गया प्रसाद यादव पुत्र भुरई यादव (60 वर्ष) निवासी ग्राम रानीपुर की हैलट अस्पताल कानपुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई । ज्ञात हो कि गयाप्रसाद यादव उस दिन सुबह थानपुर मोड़ के पास कहीं जाने के लिए सवारी का इंतजार कर रहे थे तभी ट्रक संख्या आर जे 49 जी ए 1132 के अज्ञात चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया और फरार हो गया था ।दुर्घटना की रिपोर्ट मृतक के भाई श्रीराम ने दर्ज कराई थी । पुलिस ने घायल को इलाज हेतु कानपुर भेजा था जहां पर बुधवारझगुरुवार की रात उसकी मृत्यु हो गई पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

जालौन में गुटखा गोदाम पर जीएसटी की छापेमारी

जालौन, जालौन के इंद्रानगर में बड़े पैमाने पर विभिन्न ब्रांडों के नाम से बनाये जा रहे मिश्रित गुटखा गोदाम पर झांसी से आई जीएसटी टीम ने छापेमारी की। यह छापेमारी जीएसटी की चोरी को लेकर की गई। इस छापेमारी से गुटखा बनाने वालों में हड़कंप रहा।इस दौरान जीएसटी टीम ने लाखों रुपए का मिश्रित गुटखा, तंबाकू बरामद की। झांसी की जीएसटी टीम को सूचना मिली कि उरई में अलग-अलग ब्रांडों के नाम से जीएसटी चोरी करके मिश्रित गुटखा बनाया जा रहा है। इस सूचना के बाद झांसी जीएसटी टीम के डिप्टी कमिश्नर के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों ने उरई शहर के अलग अलग इलाकों में बन रहे गुटखा कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने दिया लोगों को आत्मीयतापूर्ण भरोसा

करीब 225 लोगों की समस्या सुनीं सीएम ने, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर हाल में सबकी पीड़ा का निवारण कराया जाएगा। यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है। हर मामले में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें पीएम-सीएम आवास योजना से मकान मिलेगा। जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके मुकम्मल इलाज की व्यवस्था की जाएगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी सन्तुष्टि के मुताबिक कराया जाएगा। सीएम योगी ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 225 लोगों की समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए फरियादियों तक मुख्यमंत्री खुद गए। बड़े इत्मीनान से एक-एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश के साथ संदर्भित किया और लोगों को आश्वस्त किया कि परेशान मत होइए, समस्या समाधान के लिए त्वरित व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान इलाज के लिए मदद की गुहार करने आए लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। पुलिस व राजस्व से संबंधित मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले में समाधान जल्दी से हो। साथ ही कार्यवाही ऐसी हो कि लोगों को दोबारा परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कई जिलों से फरियादी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को करारा सबक सिखाया जाए। साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों के मकान बनवाए जाएं। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

देश के बलिदानियों की गाथा को याद रखेगी अगली पीढ़ी - प्रदीप शुक्ला

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर।खजनी क्षेत्र के खजनी ब्लाक परिसर में बृहस्पतिवार को मेरा माटी मेरा देश अभियान के तहत कार्यक्रम में क्षेत्रीय महामंत्री व विधायक प्रदीप शुक्ला व अंशु सिंह ने कलश में माटी संग्रह किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि देश की अस्मिता और बलिदानियों के व्यक्तित्व व कृतित्व को अमृत काल में अक्षुण बनाए रखना जरूरी है ।ताकि आगे की पीढ़ी अपने इतिहास से परिचित रहें ।बलिदानियों के बलिदान को दिलों में याद रखकर वह भी इतिहास रचे। कहां कि घर घर से कलश में मिट्टी तथा चावल देने से गांववासी गर्व महसूस कर रहा है ।यही कलश जिले और प्रदेश से होते हुए दिल्ली तक जाएगी। जहां बलिदानियों के याद में बनने वाले अमृत वाटिका में भागीदार होंगी। ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह ने कहा कि आज तक किसी भी सरकार ने बलदानियो के लिए इस तरह का कार्यक्रम नही किया ।जिले पर कलश पहुंचने के दौरान बाजा गाजा के साथ ऐसा वातावरण बनाए ताकि देश में राष्ट्रवाद की लहर लगे ।कार्यक्रम में , सांसद प्रतिनिधि रमेश मिश्रा, मंडल अध्यक्ष धरणीधर राम त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष जगदीश चौरसिया, मान सिंह, धर्म राज दुबे, अवध बिहारी मिश्र, प्रेम शंकर मिश्र , व्यास यादव , बंटी चतुर्वेदी समेत अन्य मौजूद रहें।

विधायक ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का भूमि पूजन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पिपरौली क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत अमटौरा में आगनबाड़ी केन्द्र का भूमिपूजन भाजपा विधायक व क्षेत्रीय महामंत्री प्रदीप शुक्ला व ब्लॉक प्रमुख दिलीप यादव ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा लगातार जनहित के कार्य किये जा रहे हैं ।बीजेपी सरकार के सभी विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे हैं ।इसका लाभ सीधे जनता को मिल रहा है।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रमेश मिश्रा,संयुक्त खण्ड विकास अधिकारी राकेश त्रिपाठी, सहायक विकास अधिकारी कृषि शिव प्रसाद मौर्य, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री राम शर्मा, मंडल अध्यक्ष धमेर्राज गोंड मंडल महामंत्री रविप्रताप सिंह, सुनील निगम,शिव शंकर सिंह,खण्ड प्रेरक-अजय कुमार यादव, आंगनबाड़ी कार्यकत्री आंगनबाड़ी सहायिका व सम्मानित ग्रामवासी आदि लोगों की उपस्थिति रहे।

आईजीएल के बिजनेस हेड के नेतृत्व में उन्नत प्रजाति के मक्के के उत्पादन की बारीकियों का अवलोकन हेतु प्रतिनिधि मंडल यूएस रवाना

अमन लेखनी समाचार

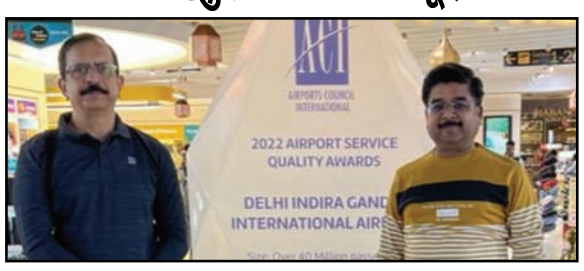

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित के इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एवं यूपीडिए के अध्यक्ष एस के शुक्ल ने उन्नत प्रजाति के मक्के के उत्पादन हेतु बीते दिन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ एमओयू किया था। यह एमओयू किसानो की आय में वृद्धि करेगा तथा एथेनॉल उत्पादन इकाइयों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। एस के शुक्ल ने बताया की इस एमओयू का उद्देश्य सिर्फ केंन्द्र सरकर के एथेनॉल उत्पादन महत्वपूर्ण परियोजना में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक से सहयोग देने एवं प्रदेश को एथेनॉल उत्पादन का हब बनाने का पुनीत लक्ष्य है , और इसके लिए हम काफी वर्षो से प्रयासरत है। वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसम्पर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की आईजीएल कंपनी एस के शुक्ल के नेतृत्व में स्थानीय किसानो से वार्ता हुयी थी और किसानो ने बड़ी प्रश्नन्नता से मक्के की खेती हेतु सहमति दिया और पहला उन्नत प्रजाति के मक्के के उत्पादन हेतु उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जनपद का चुनाव किया गया है । एस के शुक्ल के नेतृत्व में किसानो से हुयी वार्ता सफल रही और किसानो ने अपनी स्वेच्छा से सहमति पत्र दिया है और अब कंपनी द्वारा अनुबंधित किसानो को उन्नत प्रजाति के बीज उपलबध कराया जाएगा। देर रात एस के शुक्ल के नेतृत्व में यूपीडिए का प्रतिनिधि मंडल यूएस रवाना हुआ । इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व एस के शुक्ल द्वारा किया जा रहा है। यूएस में एस के शुक्ल एक अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करेगे तथा तथा यूएस , ब्राजील में उत्पादन होने वाले मक्के के बारे में सभी जानकारियां एकत्र करेगे तथा उन्नत प्रजाति के मक्के का उत्पादन भारत में कैसे हो इस पर भी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगे। तदोपरांत वहा पर स्थापित आनाज आधारित आसवनियो का भी निरीक्षण एवं भ्रमण करेंगे तथा वहा की नई तकनिकीयो को उत्तर प्रदेश में स्थित आसवनियो में कैसे लागू किया जाए और एथेनॉल उत्पादन को बढ़ाया जा सके इस पर भी गहन चर्चा होगी। डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की एस के शुक्ल केंद्र सरकार और राज्य सरकार के लक्ष्य को पूर्ण कराने में सर्वोच्च सहयोग देने का प्रयास कर रहे है।

महिला ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर लगाया न्याय की गुहार

जालसाजी के आरोप में पहले भी जेल जा चुका है आरोपी

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। बीसहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित में एक महिला ने एसएसपी को प्रार्थना देकर एक युवक को भूमाफिया बताते हुए जमीन को जबरन प्लाटिंग के तहत अवैध निर्माण कराकर कब्जा करने का आरोप लगाया हैं राजघाट थाना क्षेत्र के मुहल्ला बसंतपुर निवासी नूरजहां पत्नी स्व. मुहम्मद उमर ने गुरुवार को एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गीडा थाना क्षेत्र के सरया में अराजी न. 143मि व 34मि भूमिधरी का मिंजुमला नंबर है। पीड़ित महिला द्वारा उपजिलाधिकारी सहजनवा के बंटवारे को लेकर वाद दाखिल है, जो न्यायालय में विचाराधीन हैं। आरोप है कि सरया निवासी कमरे आलम उर्फ लड्डन खान पुत्र अनवर अली द्वारा महिला की भूमि पर जबरन पक्का निर्माण कराकर प्लाट किया जा रहा है। जिसकी शिकायत बीते 10 अगस्त और 14 अगस्त को तहसील प्रशासन से किया गया, जिसको तत्काल संज्ञान में लेते हुए अधिकारियों के आदेश पर पहुंचे हल्का लेखपाल ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। महिला ने बताया कि कुछ दिन पहले दामाद का इलाज कराने लखनऊ गई थी। जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी कमरे आलम द्वारा जमीन पर निर्माण कराया जाने लगा। इसका विरोध करने पर वह महिला समेत पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़ित महिला ने बताया की आरोपी कमरे आलम भूमाफिया और मनबढ़ किस्म का व्यक्ति हैं। जिसका नाम भी उस जमीन पर कही अंकित नहीं हैं। बावजूद इसके वह जमीन को हड़पना चाहता है। उक्त आरोपी के विरुद्ध पिपराइच थाने में वर्ष 2021 में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसको जेल भेजा जा चुका हैं। पीड़ित महिला ने एसएसपी से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

मेरठ में दुकान का शटर काटकर चोरी

- नकदी सहित लाखों का किराना का सामान ले गए चोर हुए फरार, सीसीटीवी कैमरे में कैद

अमन लेखनी समाचार

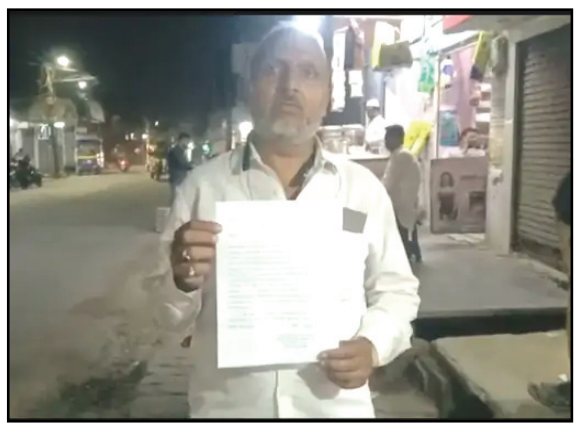

मेरठ, मेरठ के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र स्थित मजीदनगर में चोरों ने दुकान का शटर काटकर किराना की दुकान से नकदी सहित लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। इस दौरान अज्ञात चोर निकट लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए। मंगलवार सुबह 5 बजे नमाज पढ़कर दुकान खोलने के लिए पहुंचे। दुकान मालिक ने घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कब्जे में लेकर चोरों की तलाश शुरू कर दी। रशीदनगर निवासी नदीम मलिक पुत्र रफीक की माजिद नगर स्थित श्यामनगर रोड पर किराना की दुकान है। पीड़ित नदीम का आरोप है कि सोमवार देर रात्रि अज्ञात चोरों ने उसकी दुकान का शटर काटकर दुकान में रखी 45 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों रुपए का किराना का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित मंगलवार सुबह 5 बजे नमाज पढ़कर दुकान पर पहुंचा तो दुकान का शटर कटा हुआ था। शटर खोलने के बाद पता चला कि अज्ञात चोर दुकान में रखी नकदी व कीमती सामान चोरी कर ले गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो शटर काटने के दौरान आरोपी चोर कैमरों में कैद हो गए थे। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर को कब्जे में लेकर आरोपी चोरों की तलाश शुरू कर दी। वहीं पीड़ित नदीम ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

घघसरा नगर पंचायत में बोर्ड की बैठक संपन्न

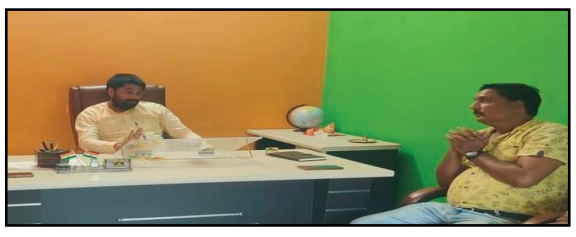

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र स्थित के नगर पंचायत घघसरा बोर्ड की बैठक गुरुवार को अध्यक्ष प्रभाकर दुबे की अध्यक्षता में की गई। जिसमें सभासदों के बीच कार्य योजना को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में नगर पंचायत के सभी सदस्य व कर्मचारी मौजूद थे। सभा को संबोधित करेंगे हुए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभाकर दुबे ने कहा कि सभी सभासद अपने - अपने वार्डो में विकास कार्य की योजना बनाएं और जिम्मेदारी पूर्वक उस पर अमल करें । सभी वार्डो में विकास कार्य हो सके, हमें सुनिश्चित करना होगा। साफ सफाई के विशेष ध्यान देने से संचारी लोगों का खतरा नहीं रहेगा । उक्त अवसर पर सभासद संतोष पाण्डेय, राकेश कुमार, सत्यप्रकाश पाण्डेय, सुरेन्द्र बर्मा, सुंदरम त्रिपाठी, धूप गुप्त, बिनोद कुमार पांडेय समेत कई लोग मौजूद थे।

डीएम, एसएसपी ने दशहरा दीपावली को सकुशल संपन्न कराने के लिए बैठक

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। आगामी दशहरा दीपावली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए डीएम ,एसएसपी की अध्यक्षता में पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में प्रमुख रूप से जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश वरिष्ठपुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर एसपी सिटी कृष्ण बिश्नोई नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल जॉइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर कुमार सौरभ डीएफओ विकास यादव पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरुण कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी कैंट मानुष पारीक पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक श्याम देव एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम गुप्त एडीएम वित्त विनीत कुमार सिंह एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह सिटी मजिस्ट्रेट मंगलेश दुबे सहित सभी एसडीएम/क्षेत्राधिकार सहजनवा कैंपियरगंज चौरी चौरा बांसगांव गोला खजनी व अन्य संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे।

मांग अध्यक्ष पर लिखे झूठे मुकदमे को समाप्त करने की मांग

मेरठ डीएम ऑफिस पर जिला कांग्रेस कमेटी का प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए हंगामा कर दिया। इस दौरान उन्होंने हर जोर जुल्म कि टक्कर पर संघर्ष हमारा नारा है के साथ जिलाध्यक्ष राजनीतिक प्रतिद्वंता के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से मुकदमा वापस लेने कि मांग की। मेरठ सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में जिला अध्यक्ष अवनीश काजल और महानगर अध्यक्ष जाहिद अंसारी के नेतृत्व में डीएम ऑफिस पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए, हर जोर जुल्म कि टक्कर पर संघर्ष हमारा नारा लगाते हुए राजनीतिक प्रतिद्वंता के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के खिलाफ लिखे मुकदमें को समाप्त करने की मांग की। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने कांशीराम के परिनिर्माण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कहा कि 2015 में गणेश प्रतिमा विसर्जन की मांग कर रहे स्वामी अविमुतेश्वरनन्द पर हुए बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज के विरोध में 5 अक्टूबर को निकाली गई प्रतिकार यात्रा में नामजद 82 लोगों में से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री को छोड़कर शेष 81 लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमे मे सभी को बरी कर दिया गया। जिसका संदर्भ लेते हुए अपर सत्र न्यायाधीश वाराणसी एमपी एमएलए कोर्ट ने उन 81 लोगों को बरी कर दिया गया। इससे स्पष्ट है कि सनातन का नाम लेने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार ने सनातन के प्रति श्रम दृष्टि रखती है, न ही कानून के समक्ष समता पर आधारित विधि के शासन में ही उसका विश्वास है, उसके लिये सनातन शब्द किसी आस्था व विश्वास का प्रतीक नहीं है बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार मात्र है। जिला अध्यक्ष अवनीश काजला ने घटना क्रम को राजनीति से प्रेरित बताया। और कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता इसका विरोध करते है। इस दौरान प्रवक्ता हरिकिशन अम्बेडकर, महेंद्र शर्मा, धूम सिंह गुर्जर, सलीम खान, बबीता गुर्जर, डॉक्टर अशोक आर्य, हरिकिशन प्रजापति, रविंद्र सिंह, संजय कटारिया, अरुण त्यागी, संजीव शर्मा, अनिल प्रेमी, माया प्रकाश, योगी जाटव, ओमकार शर्मा, अनिल प्रमुख,नईम राणा, बबली देवी, राहिला बेगम, प्रवीना, रीना शर्मा, सुनीता मंडल, सुमित विकल, तेजपाल डाबका, अनिल प्रमुख, नईम राणा, प्रदीप जैन, ब्रह्मपाल गोस्वामी, राहत अली, फुरकान अंसारी, अरविंद तालियाना, शक्ति सिंह, सलीम पठान, अमित गोयल, हासिम अंसारी, विनोद सोनकर, अजय दामोदर शर्मा, राजेंद्र सिंह हुन, केडी. शर्मा, सरताज चौधरी, मारूफ गौड़, संजय गुप्ता, डॉ इकबाल अहमद, सत्य प्रकाश शर्मा, मनोज कुराली, अंसार अहमद, पीयूष रस्तोगी, चौधरी शमशुदिन चौधरी, मुद्दबीर अली, दीपांशु गुर्जर, जुबैर खान, करण शर्मा, सोनू हजारी, जितेंद्र राजपुरा, प्रदीप त्यागी आदि मौजूद रहे।

जानलेवा बुखार पर काबू पाने को प्रशासन अलर्ट

- बुलंदशहर में घर-घर दी जाएगी दस्तक, डीएम ने अफसरों को दिए कड़े निर्देश

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, बुलंदशहर में चलाए जाने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक अंतर्विभागीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वावधान में माह अक्टूबर 2023 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान और संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्रवाई हेतु बने माइक्रोप्लान एवं विभिन्न विभागों द्वारा कार्य एवं दायित्वो का निर्वाहन गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासनादेश के प्रविधानों के अनुसार सम्पूर्ण रूप से चलाए जा रहे अभियान को पूरे जनपद में और गति के साथ संचालित कराए जाएं।

उन्होंने विभिन्न विभागों के लिये जिन दायित्वों एवं कार्यों का निर्धारण किया है वह उसे समय से पूर्ण कराते हुए रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुलदीप मीना ने बताया कि संचारी रोग तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियत्रण पाने के लिये इस विषय पर एक सम्पूर्ण सोच के साथ सम्बन्धित विभागों के मध्य उचित समन्वय होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिये कि स्वच्छता के बेहतर प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाएं और वाहक नियंत्रक गतिविधियां व्यापक रूप से आयोजित की जाएं। लार्वा रोधी गतिविधियों और आवश्यकता अनुसार फॉगिग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सूकर पशुपालको का संवेदीकरण कराते हुये उनकी सूची प्रस्तुत करें और सूकर पालक के बाड़े आबादी से बाहर स्थापित करने के निर्देश दिए।

खास समाचार

गुरसरांय में डेंगू ने दी दस्तक एक छात्रा की मौत, दर्जनों लोग आये चपेट में

नगर पालिका प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग बेखबर

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। झांसी जिले के अंतर्गत आने वाले तहसील गरौठा के कस्बा गुरसरांय में डेंगू का प्रकोप अपना पूरी तरह साम्राज्य स्थापित करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बिगत दिनों 8 अक्टूबर को इंटरमीडिएट की छात्रा तान्या सोनी निवासी गुरसरांय की डेंगू होने से गुरसरांय अस्पताल से झांसी रेफर करने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी जबकि उसका भाई बमुश्किल इलाज के बाद डेंगू से किसी तरह बच पाया है। यह सब डेंगू के मरीज गुरसरांय नगर के वार्ड नंबर 25 धनाई के रहने बाले है।यहाँ तालाब के इर्द-गिर्द भारी गंदगी का अम्बार लगा हुआ है जिससे वार्ड नंबर 25 से प्रशांत पटवा और उसका पुत्र बुरी तरह डेंगू की चपेट में आ गए हैं। हालत गंभीर होने पर झांसी इलाज के लिए भेजा गया है।बावजूद इसके नगर पालिका परिषद और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी लगातार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं और लापरवाही का खामियाजा आम जनता को अपनी जान की कुबार्नी देकर चुकाना पड़ रहा। कस्बे के लोगों ने इस संबंध में जिला प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

रोजगार मेले का हुआ आयोजन

गाजीपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि आज 12 सितंबर को जिला सेवायोजन कार्यालय गाजीपुर के तत्वाधान में विकासखंड जमानिया के परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में प्रतिभागी द्वारा सर्विस बॉय, सेल्स मैनेजर, फील्ड ऑफिसर ,टेक्नीशियन, हेल्पर आदि पदों का चयन किया गया। मेले में लगभग 60 अभ्यर्थियों ने प्रतिभा किया ।जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 38 अभ्यर्थियों का अंतिम राउंड हेतु चयन किया गया ।भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने हेतु भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत स्कीम इंडिया इंटरनेशनल सेंटर वाराणसी द्वारा उक्त परिसर में प्री काउंसलिंग की गई ।जिसमें दुबई, अबू धाबी, शारजाह ,सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रीशियन ,फीडर, हेल्पर ,क्लीनर ,माली ,एसी टेक्नीशियन ,सिक्योरिटी गार्ड ,कुक ,वेटर कुल 112 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हुई। जिसमें 36 अभ्यर्थी विदेश में रोजगार पाने हेतु योग्य पाए गए। इन अभ्यर्थियों को अंतिम चयन हेतु एस आई आई सी वाराणसी सेंटर पर बुलाया जाएगा।

जिलाधिकारी के आदेश के बाद बेटी के अपहरण का मुकदमा दर्ज

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी के आदेश के बाद टांडा कोतवाली पुलिस ने नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने सहित अन्य धाराओं में चार नामजद समेत अज्ञात महिलाओं पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टांडा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासिनी पीड़ित मां का आरोप है उसकी पुत्री सबा खातून काल्पनिक नाम को 2 अक्टूबर की शाम करीब 5:00 बजे नहर के पास से बहला फुसला कर शहंशाह पुत्र सरवर आलम, दाऊद पुत्र अहमद उर्फ लाले निवासी ग्राम रसूलपुर बिहरोजपुर, खुर्शीद पुत्र हसन अली निवासी डैयाडीह मुबारकपुर थाना अकबरपुर भगा ले गए। पीड़ित मां का आरोप है उसकी आंखों के सामने उसकी पुत्री को आरोपी दो मोटरसाइकिल से भाग ले गए। जब उसने हल्ला गुहार मचाया उपरोक्त विपक्षी काफी दूर जा चुके थे इस घटना के बाद जब आरोपी के घर शिकायत करने गई तो आरोप है शहंशाह के पिता सरवर व उसके घर की महिलाएं गाली- गलौच जान से मारने की धमकी देने लगे। वही टांडा कोतवाली पुलिस ने 363, 366, 504, 506 आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

पीस कमेटी की बैठक संपन्न

गाजीपुर। आगामी आने वाले त्योहार को लेकर जनपद के थाना कोतवाली मोहम्मदाबाद में एक पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। पीस कमेटी की बैठक में पूजा कमेटी के सदस्यगण ,नागरिक तथा सभी धर्म के लोग उपस्थित थे। इसके अंतर्गत उप जिला अधिकारी आशुतोष कुमार ,क्षेत्राधिकार हितेंद्र कृष्ण तथा कोतवाली प्रभारी घनानंद त्रिपाठी के साथ-साथ थाना कोतवाली के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पीस कमेटी की बैठक में उपस्थित पूजा कमेटी की सदस्यों से उनके कठिनाइयों के बारे में पूछा गया ।साथ ही उन्हें बताया गया कि शासन प्रशासन द्वारा जो भी गाइड लाइन जारी की गई है, उस गाइडलाइन के अनुसार ही कार्य करना है ।विसर्जन के संबंध में भी दी गई गाइडलाइन के अनुसार ही विसर्जन के लिए निश्चित स्थान पर ही प्रतिमा विसर्जित होगी। इसके साथ ही अधिकारियों ने कमेटी के सदस्यों से यह कहा कि वे पूजा पंडाल एवं अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाए ।इससे होने वाले किसी भी घटना दुर्घटना की तत्काल जानकारी मिलेगी। इसी तरह कोई दुर्घटना या कोई अवस्था पाई जाती है तो इसकी सूचना तत्काल थाना कोतवाली या संबंधित अधिकारी को दें ताकि इसका निस्तारण किया जा सके ।किसी भी नई परंपरा का आरंभ नहीं किया जाएगा ।यदि नई परंपरा का आरंभ करना होगा तो इसके लिए उप जिला अधिकारी का परमिशन लेना आवश्यक है।

बच्चों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में कराया गया जागरूक

अमेठी। विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान व विद्या है, विचार अवलोकन अध्ययन और प्रयोग से मिलती है, जो किसी अध्ययन के विषय की प्रकृति या सिद्धांत को जानने के लिए किए जाते हैं। ज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी की जागरूकता कार्यक्रम करने का कार्य संस्था अधृत फाउंडेशन को प्राप्त हुआ। बच्चों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी प्राप्त की और संस्था के द्वारा आयोजित गतिविधियों विज्ञान स्वचालित मॉडल, तर्क वितर्क, निबंध लेखन चार्ट पेपर गतिविधि आदि में प्रतियोगिता कार्यक्रम में बच्चों बच्चों ने प्रतिभाग किया और सफल हुए प्रतिभागियों को संस्था के द्वारा प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए। यह कार्यक्रम शारदा देवी बालिका इंटर कॉलेज, कुशी ताली, ब्लॉक अमेठी में संपन्न कराया और इस कार्यक्रम में लगभग 230 विद्यार्थी, प्रधानाचार्य, अध्यापक, संस्था के पदाधिकारी व टीम मौजूद रहे।

शोहदे से परेशान युवती ने खाया जहर, इलाज के दौरान हुई मौत

-अस्पताल में दो दिन तक डॉक्टरों ने खूब की कोशिश, नहीं बचा पाए जान

शुकुल बाजार, अमेठी। अठारह वर्षीय रेप पीड़िता ने जहर खा कर खुदकुशी की कोशिश की थी। जहर खाने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी को मौत हो गई। मंगलवार की देर शाम गांव के ही रहने वाले एक युवक पर उसने लगातार परेशान व दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।आहत पीड़िता ने जहर खा लिया। इसके बाद आनन-फानन में परिजन उसे लेकर अस्पताल गए। जहां डॉक्टरों ने युवती की हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था ।परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर लगातार परेशान करने व दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने बुधवार को उस समय जहर खा लिया था जब परिजन घर पर नहीं थे। इसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। इसी बीच पहुंचे दादा ने युवती को गंभीर हालत में देख आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में युवती ने परिजनों को बताया कि गांव का एक युवक उसे परेशान करता है। घर से बाहर नहीं निकलने देता है। उसे बहुत परेशान करता है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे आहत होकर उसने विषाक्त पदार्थ खा लिया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। लखनऊ में उपचार के दौरान बुधवार की रात उसकी मौत हो गई।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत डीएम व एसपी ने कानून एवं शांति व्यवस्था को लेकर किया बैठक

अमन लेखनी समाचार

सौहार्दपूर्ण व भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार -डीएम

अमेठी। आगामी त्यौहारों नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा, मुर्ति विसर्जन, दीपावली व अन्य त्योहारों को लेकर जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र व पुलिस अधीक्षक डा. इलामारन जी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों, दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों व संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी त्योहारों यथा दुर्गा पंडाल, विजयदशमी, रामलीला मंच व जूलूस के आयोजन से पूर्व प्रशासन की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्गा पूजा पंडाल व रामलीला मंच के स्थापना की अनुमति प्रदान करने से पूर्व आयोजकों द्वारा यह सुनिश्चित करा लें की दुर्गा पूजा पंडाल व रामलीला मंच की स्थापना से सार्वजनिक आवागमन प्रभावित ना हो, कहीं पर भी मूर्तियों की स्थापना, पंडाल आदि सार्वजनिक स्थानों तथा सड़क पर न लगाया जाए। मूर्तियों की स्थापना पारंपरिक परंतु खाली स्थान पर की जाए, उनका आकार यथासंभव छोटा रखा जाए तथा मैदान की क्षमता से अधिक लोग ना रहे, मूर्तियों के विसर्जन में यथासंभव छोटे वाहनों का प्रयोग किया जाए मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में न्यूनतम व्यक्ति ही शामिल हो, विसर्जन के रूट प्लान, विसर्जन स्थलों का चिन्हांकन, अधिकतम व्यक्तियों की संख्या का निर्धारण जैसे बिंदुओं की पूर्व में ही योजना बना ली जाए तथा इसे दृढ़ता से लागू किया जाए, मूर्ति विसर्जन

आदि के समय भीड़ निर्धारित सीमा से अधिक ना हो, नवरात्रि एवं विजयदशमी, रामलीला के शांतिपूर्ण संपादन हेतु संवेदनशील स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था तथा विशेष सतर्कता बरती जाए, ऐसे स्थलों जहां पर अधिक संख्या में लोग एकत्र होते हैं वहां पर भी विशेष सतर्कता तथा ऐसे स्थानों पर संभावित घटनाओं को पूर्वानुमान लगाया जाना व किसी घटना के घटित होने पर तत्परता से प्रभावी कार्यवाही की जाए, संवेदनशील/सांप्रदायिक क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाए, त्योहारों पर सार्वजनिक स्थल यथा बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और संवेदनशील स्थान/धार्मिक स्थल पर यथावश्यक व्यवस्थाएं/चेकिंग इत्यादि कराई जाए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यातायात कदापि बाधित ना हो एवं बैरियर व पुलिस चेकपोस्ट लगातार संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कराई जाए, मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए, जन सुविधाएं यथा बिजली, पेयजल एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए, आकस्मिकता के दृष्टिगत सभी सरकारी अस्पतालों को तैयार हालत में रखा जाए एवं डॉक्टर तथा पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी राउंड-द-क्लाक लगाई जाए, असामाजिक तत्व एवं अफवाह फैलाने वालों पर विशेष ध्यान दिया जाए सोशल मीडिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए एवं कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट संज्ञान में आते ही तत्काल ब्लॉक करते हुए प्रभावी कार्यवाही की जाएगी, इसके साथ ही धारा 144 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी दशा में शस्त्रों का प्रदर्शन ना हो एवं अवैध शस्त्रों को लेकर चलने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अराजक तत्वों को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्यवाही करें, साथ ही सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाए रखें, अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल निरोधात्मक कार्यवाही करें। बैठक के अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी/पुलिस क्षेत्राधिकारी/थानाध्यक्ष, विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित मौजूद रहे।

आज अमेठी आयेंगे योगी, लगेगा भाजपा दिग्गजों का जमावड़ा

अमन लेखनी समाचार

गौरीगंज ,अमेठी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार को जिले के कौहार मैदान पर आगमन हो रहा है। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस से शुरू हुई सांसद खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके साथ ही कार्यक्रम में लगभग 600 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाली विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी होगा।

सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को स्मृति इरानी के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी अपने हाथों से ट्राफी व खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे। इसके साथ स्मृति के प्रयास से अमेठी के विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष द्वारा 600 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री सांसद प्रतिनिधि विजय गुप्ता के मुताबिक समापन समारोह में सांसद एवं गायक मनोज तिवारी, भोजपुरी कलाकार एवं आजमगढ़ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, सांसद मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव निरहुआ, प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, जगदीशपुर विधायक सुरेश पासी, सलोन विधायक अशोक कुमार सहित कई अन्य नामी खिलाड़ी व लोक कलाकार शामिल होंगे।

साइबर क्राइम से बचाव के लिए संपन्न हुआ जागरूकता कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। समूचे भारत वर्ष समेत उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के क्षेत्र वासियों की एक प्रगाढ़ समस्या निरंतर चली आ रही थी जिसमें साइबर क्राइम के माध्यम से सहज स्वभाव वाले व्यक्तियों के साथ अवैध रूप से वसूली मोबाइल फोन के द्वारा की जा रही है इसी मामले को लेकर जनपद के पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देशन पर जनपद के चांदपुर थाना प्रांगण अंतर्गत साइबर क्राइम से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आम जनमानस ने सीधा प्रसारण एलईडी टेलीविजन के माध्यम से देखा जहां साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट डॉक्टर रक्षित टंडन ने ऑनलाइन फतेहपुर जनपद के क्षेत्र वासियों से जुड़कर सभी को साइबर क्राइम के विषय में गहन जानकारियां दी तथा जानकारी को देते हुए बचाव का मार्ग भी प्रशस्त किया ऑनलाइन होकर साइबर एक्सपर्ट ने लगभग 1 घंटे तक जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल फोन में विभिन्न प्रकार के ऐसे ऐप होते हैं जो वास्तविक लोकप्रिय ऐप से मिलते-जुलते नाम के रखे जाते हैं ऐसे ऐप को नहीं डाउनलोड करना चाहिए वही मोबाइल फोन पर ऑनलाइन वीडियो कॉल में अज्ञात लोगों द्वारा अभद्र प्रदर्शन किया जाता है इसके बाद लोगों को ब्लैकमेल करते हुए एक अच्छी खासी रकम की वसूली की जाती है जिसके लिए भी आम जनमानस सजग हो अगर किसी भी व्यक्ति के साथ ऐसी घटना घटित हो तो वह तत्काल अपने परिजनों समेत नजदीकी थाना पहुंचकर पुलिस प्रशासन की सहायता लें वहीं कार्यक्रम में मौजूद जिला पंचायत सदस्य जयंती वर्मा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष डाक्टर उत्प्रेक्षा त्रिवेदी आदि के साथ थाना प्रभारी ने महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को सम्मानित किया कार्यक्रम के तहत थाना प्रभारी अखिलेश यादव एवं चौकी प्रभारी अमौली संदीप कुमार तिवारी के साथ चांदपुर थाना के सभी कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों ने साइबर क्राइम से बचाव के लिए विभिन्न जानकारियां को देते हुए हेल्पलाइन नंबर जैसे 1912 ,1930 महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारियां दी इस मौके पर चौकी प्रभारी संदीप कुमार तिवारी दिलीप सिंह राघवेंद्र सिंह नारायण सिंह अवधेश सिंह गुल मोहम्मद महिला आरक्षी पुष्पलता यादव प्रतिमा अग्निहोत्री ममता मिश्रा ग्राम प्रधान प्रकाश चंद्र उर्फ बंटू सोनकर सनोज कुमार सुरेश यादव सुरेंद्र सचान शिवशंकर वर्मा विनोद वर्मा समाजसेवी राघवेंद्र सिंह तोमर (चांदपुर) मनीष तिवारी समेत भारी संख्या में महिला पुरुष दीर्घा तथा वरिष्ठ गण मौजूद रहे

जन सूचना आवेदन पत्रों का निस्तारण में समय सीमा का पालन करें अधिकारीः सुभाष चन्द्र सिंह

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों के समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर आये राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार जिले के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिया कि जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों के निस्तारण में 30 दिवस की समय सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करते हुए सम्बन्धित को अनिवार्य रूप से सूचना उपलब्ध करा दी जाए, आयुक्त ने कहा कि यदि कोई आवेदन पत्र विभाग से सम्बन्धित नही है, तो ऐसे आवेदन-पत्र को सम्बन्धित विभाग को अन्तरित कर दिया जाए। सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह ने अधिकारियों से कहा कि सूचना उपलब्ध कराते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि फरियादी को पूर्ण सूचना उपलब्ध कराएं और आवश्यकता के अनुसार अन्य प्रपत्र भी संलग्नक करें, ताकि फरियादी आपकी कार्यवाही से संतुष्ट हो जाए। सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को आधी अधूरी व भ्रामक सूचना कदापि न दें। सुभाष चन्द्र सिंह ने अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक जन सूचना अधिकारी अपने कार्यालय में एक पंजिका रखें, जिसमें जनसूचना आवेदन पत्रों की प्राप्ति व निस्तारण से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण क्रमवार व तिथिवार अंकित किया जाए। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना मांगना वादी का अधिकार है तथा सूचना देना जन सूचना अधिकारी का वैधानिक कर्तव्य है ,उन्होंने जन सूचना अधिकारियों व प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपने पदेन उत्तरदायित्वों के साथ-साथ जन सूचना अधिकारी के वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन भी 30 दिवस के भीतर अवश्य करें। सूचना आयुक्त ने कहा कि यदि किसी प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में आप द्वारा सूचना नहीं दी जा रही है तो आवेदनकर्ता को 30 दिवस के अन्दर सूचना न देने के कारणों से अवश्य अवगत कराया जाय, सभी सम्बन्धित से कहा कि किसी भी परिस्थिति में 30 दिन की समय सीमा का उल्लंघन न किया जाय। बैठक के अन्त में जिलाधिकारी ने सूचना आयुक्त को ओडीओपी अन्तर्गत निर्मित स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया, जबकि बैठक से पूर्व सभागार के बरामदे में जन सूचना अधिकार विषय पर उकेरी गई रंग-बिरंगी रंगोली का सूचना आयुक्त ने अवलोकन किया ।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक पवित्र मोहन त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, कारागार अधीक्षक राजेश यादव, उप जिलाधिकारी सदर डॉ पूजा यादव, पयागपुर दिनेश कुमार, कैसरगंज पंकज दीक्षित, महसी राकेश कुमार मौर्या, मिहींपुरवा संजय कुमार, सीएमओ डॉ एस.के. सिंह, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध लकड़ी काटने वाले किसान तथा ठेकेदार के ऊपर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दरियापुर गांव के समीप किसान चंद्रपाल पुत्र अर्जुन निवासी गांव दरियापुर थाना चांदपुर के बाग में खड़े हरे नीम के 11 वृक्ष ठेकेदार रामकिशुन पुत्र राम सजीवन निवासी नोनारा थाना जहानाबाद फतेहपुर द्वारा अवैध रूप से बिना अनुमति के काटे गए सूचना पाकर पहुंचे वन विभाग दरोगा सुदर्शन सिंह एवं हमराही विमल सिंह वन दरोगा ने मौके पर इलेक्ट्रानिक मशीनों द्वारा धराशाई किए गए हरे पेड़ों की निगरानी करते हुए स्थानीय थाना प्रशासन चांदपुर को सूचना दी जहां मौके पर पहुंचे चांदपुर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव ने अवैध रूप से पेड़ों की कटान करने वाले तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले किसान चंद्रपाल तथा ठेकेदार रामकिशन के खिलाफ ग्रामीण तथा पर्वतीय क्षेत्र वन संरक्षण अधिनियम 1976 के तहत धारा 04, धारा 10 का मुकदमा पंजीकृत कार्य कार्यवाही की

मेरी माटी मेरा देश अमृत महोत्सव के तहत निकली कलश यात्रा

अमन लेखनी समाचार

तिलोई, अमेठी। विकास खण्ड सिंहपुर में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम एचसीका आयोजन किया गया जिसमें समस्त ग्राम पंचायतों में संरक्षित अमृत कलश को विकास खण्ड मुख्यालय में संग्रहण स्थल पर संरक्षित किया गया।

विकास खण्ड सिंहपुर में अमृत कलश संग्रहण स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख अंकित पासी ने वीर शहीदों के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि देश की आजादी काफी संघर्षों के बाद मिली है और पंच प्रण की शपथ दिलाई गई ।क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों से अमृत कलश ब्लाक मुख्यालय पहुंचे ।ग्राम पंचायत आजादपुर की ग्राम प्रधान आलिया बानो व ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश कुमार की अगुवाई में गाजे बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा ब्लाक मुख्यालय पर पहुंची जो कि आकर्षण का केंद्र बिंदु बनी रही ।ब्लाक मुख्यालय से निकाली गई अमृत कलश यात्रा ने मुख्य चौराहे तक नारों जयकारों के साथ भ्रमण किया ।इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव, अनुराग मिश्रा, आशीष मिश्रा, अमित कुंवर सिंह, अनिल पाण्डेय, गौरव श्रीवास्तव, फकीर अहमद उर्फ मिस्टर, इंद्र कुमार चौधरी, अखिलेश कुमार, प्रदीप जायसवाल, सतीश गौतम, इफ्तिखार अहमद, रिंकू सिंह, अमरीन बानो, नीतू जायसवाल, रीतिका जायसवाल, जीनत फातिमा, प्रदीप पटेल, अमरजीत पाल, राम प्रकाश, इलियास सहित अन्य तमाम ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ सम्भ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी ने की कार्यक्रम पर बैठक

कार्यक्रम स्थल पर चप्पे चप्पे पर तैनात पुलिस बल

अमेठी। जिले के कौहार मैदान में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आज समापन हो रहा हैं। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केन्द्र के मंत्री शामिल होने की उम्मीद हैं। कार्यक्रम स्थल को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारिया पूर्ण कर ली गई हैं ।जिलाधिकारी अमेठी राकेश कुमार मिश्र व पुलिस अधीक्षक डॉ इलामारन जी कार्यक्रम स्थल पहुंचे, वहां उन्होंने हेलीपैड, मंच, वी आई पी दीर्घा, पार्किंग, पंडाल आदि का गहनता से निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, एडीएम अर्पित गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार, डीडीओ, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, उपजिलाधिकारी अभिनव कन्नौजिया, उपजिलाधिकारी सविता यादव, उपजिलाधिकारी प्रीति तिवारी, उपजिलाधिकारी दिग्विजय सिंह, तहसीलदार आशीष सिंह, सीओ गौरीगंज मयंक द्विवेदी, सीओ मुसाफिरखाना गौरव सिंह, सीओ अमेठी लल्लन सिंह आदि मौजूद रहे। खबर लिखे जाने तक मुख्यमंत्री के फ्लीट का कारवां कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गया है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब हो जाएं ओवरवेट चेंज करें डाइट-लाइफस्टाइल

मेरी उम्र 41 साल है। मेरा वेट 82 केजी है। अपना वेट कंट्रोल करने के लिए मुझे डाइट और लाइफस्टाइल में क्या चेंज करना चाहिए?

-राजवीर, जशपुर

सबसे पहले आप मीठा खाना बिल्कुल छोड़ दें। साथ ही बाजार का तला-भुना और अधिक ऑयली खाना भी बंद कर दें। सुबह-शाम नियमित रूप में आधे-आधे घंटे वॉक करें। खाने में आलू और चावल का सेवन कम कर दें। इस तरह वेट कंट्रोल हो जाएगा।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में इसे फैलाने वाले मच्छर से सुरक्षित रहने के लिए किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?

-सुरेश, भोपाल

जैसा कि आप जानते हैं डेंगू फैलाने वाले मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं, इसलिए घर या आस-पास पानी जमा ना होने दें। जब पार्क में या खुली जगह सैर करने या किसी अन्य काम से जाएं तो शरीर पूरी तरह ढंका होना चाहिए। इस तरह कुछ सुरक्षित कदम उठाकर आप स्वयं और अपने परिवार की डेंगू के मच्छर से सुरक्षा कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। अस्थमा पेशेंट हूं। मौसम बदलने पर मुझे सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। आने वाली सर्दियों में ज्यादा प्रॉब्लम न हो, इसके लिए मुझे क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

-ओम नारायण, रायपुर

बदलते मौसम में अस्थमा रोगियों को परेशानी शुरू हो जाती है। इस दौरान आप जब भी घर से बाहर निकलें तो मास्क जरूर पहनें। साथ ही जब अधिक प्रदूषण हो तो कोशिश करें कि घर से बाहर कम से कम निकलें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डॉक्टर द्वारा बताए गए इनहेलर और दवाओं का सेवन नियमित तौर पर करते रहें।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। कुछ साल पहले चिकनगुनिया हुआ था, उसके बाद से मेरे कुछ ज्वाइंट्स में कभी कम कभी ज्यादा पेन होता रहता है। कृपया इसका समाधान बताएं?

-चंद्रकांत, जांजगीरचांपा

यह सही है कि चिकनगुनिया होने के बाद कुछ पेशेंट्स में लंबे समय तक शरीर के जोड़ों में परेशानी होती है। इस वजह से ही आपको जोड़ों में दर्द हो रहा है। यह दर्द धीरे-धीरे करके अपने आप ही जाएगा। कोशिश करें कि अधिक चलने-फिरने वाला काम इस समय कम करें। साथ ही अपनी डाइट पर खास ध्यान रखें।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। हाल में मेरा ट्रांसफर दूसरे स्टेट में हुआ है। तभी से जुकाम लगातार बना हुआ है और वजन भी10 किग्रा. कम हो गया है। ऐसा क्यों हो रहा है, मुझे क्या करना चाहिए?

-रचित, हिसार

सबसे पहले आप अपनी जांच करवाएं, क्योंकि जुकाम होने से इतना अधिक वजन कम नहीं होता है। कई बार लोगों को जगह बदलने पर परेशानी होती है और इस तरह की दिक्कत शुरू हो जाती हैं, लेकिन वजन कम होना किसी अन्य बीमारी का लक्षण है। इसलिए सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी जांच करवाएं।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मुझे हाल में हाई कोलेस्ट्रॉल डाइग्नोज हुआ है। इससे आगे कोई सीरियस प्रॉब्लम न हो, इसके लिए मुझे क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

-मुकुंद, दिल्ली

जैसा आप बता रहे हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा है, जो हार्ट के लिए अच्छा नहीं होता है। इसके लिए आपको खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। अधिक ऑयली और तला हुआ खाना बिल्कुल बंद कर दें। साथ ही सुबह-शाम नियमित रूप में आधे-आधे घंटे वॉक करें। इस तरह से हाई कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल किया जा सकता है। *

प्रस्तुति : रिचा पांडे

आर्थराइटिस-डे स्पेशल

अनियमित जीवनशैली, असंतुलित खान-पान और कुछ अन्य कारणों से लोग आर्थराइटिस से ग्रस्त हो जाते हैं। इससे शारीरिक जोड़ों में सूजन और काफी दर्द होता है। इससे राहत पाने और इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए आप आयुर्वेदिक उपचार करवा सकते हैं। आज वर्ल्ड आर्थराइटिस-डे के मौके पर यहां विस्तार से बता रहे हैं, इस रोग के लक्षणों और कुछ सरल आयुर्वेदिक उपचार के बारे में।

आर्थराइटिस में उपयोगी आयुर्वेदिक उपचार

अवेयरनेस

डॉ. प्रीति छाबड़ा
सीनियर कंसल्टेंट-आयुर्वेद
सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली

आर्थराइटिस ऐसी बीमारी है, जिसमें पेशेंट की फिजिकल मूवमेंट प्रभावित होती है और उसे अपनी दिनचर्या के रूटीन कामों के लिए भी कई बार दूसरों पर निर्भर होना पड़ता है। हमारे घर-परिवार या आस-पास ऐसा कोई न कोई व्यक्ति मिल ही जाता है, जो जोड़ों के दर्द और सूजन की समस्या से जूझ रहा होता है।

रोग का कारण-लक्षण

आयुर्वेद में आर्थराइटिस की वजह वात दोष को माना जाता है, जो मूल रूप से गलत खान-पान और अव्यवस्थित जीवनशैली से होता है। बढ़ती उम्र में होने वाली कमजोरी और जोड़ों में मौजूद साइनोवियल फ्ल्यूड की कमी से भी यह समस्या हो सकती है। यह दर्द शरीर के विभिन्न ज्वाइंट्स में हो सकता है जैसे-घुटनों, पीठ के निचले हिस्से, सर्वाइकल स्पाइन, कंधों, हाथ-पैर की अंगुलियों, कलाई और कोहनी के जोड़ में।

उपचार से मिलेगी राहत

हालांकि आर्थराइटिस रोग को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन आयुर्वेद के हिसाब से समुचित आहार-विहार, जीवनशैली और औषधियों की मदद से नियंत्रित अवश्य किया जा सकता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक के परामर्श से इन उपायों के नियमित इस्तेमाल करने पर आर्थराइटिस डिजीज में जोड़ों में होने वाले दर्द और सूजन में आराम मिलता है। जोड़ों की अकड़न दूर होती है, मूवमेंट में आसानी होती है।

ऐसे करें बचाव

आर्थराइटिस में घुटनों का दर्द आमतौर पर ऑस्टियो आर्थराइटिस के कारण होता है। दर्द से बचाव के लिए जरूरी है कि घुटनों के दर्द से राहत पाने के फिजियोथेरेपी करवाते रहें। इसके अलावा आयुर्वेद में पंचकर्मा थेरेपी भी उपयोगी है। पंचकर्मा ऐसी विधि है, जो रिजनरेटिव प्रोसेस को कंट्रोल करती है। यह जोड़ों के लिए बहुत लाभकारी है। इसके माध्यम से जोड़ों में मौजूद साइनोवियल फ्ल्यूड की पुनः आपूर्ति की जा सकती है। ठीक

तरह से तेल से की जाने वाली स्नेहन विधि से जोड़ों की मूवमेंट में सुधार हो सकता है।

एक्सरसाइज है उपयोगी

आर्थराइटिस के दर्द से राहत पाने के लिए वजन नियंत्रित रखना जरूरी है। वास्तव में शारीरिक जोड़ों, खासकर पैर के जोड़ों पर हमारे पूरे शरीर के भार का प्रेशर रहता है, जिसकी वजह से घुटनों में दर्द बना रहता है। वेट कंट्रोल करने के लिए रेग्युलर एक्सरसाइज शेड्यूल को फॉलो करें। इससे न केवल जोड़ों की मूवमेंट बनी रहेगी, बल्कि कैल्शियम के अवशोषण में भी मदद मिलती है। आप योग और प्राणायाम भी कर सकते हैं। एक्सरसाइज करने से जोड़ों में घर्षण के कारण एक प्रकार की ऊष्मा पैदा होती है, जो साइनोवियल फ्ल्यूड और जोड़ों की मूवमेंट बनाए रखती है।

रखें ध्यान

आर्थराइटिस में जोड़ो में दर्द हो तो एक्सरसाइज करते समय ध्यान रखें कि क्षमतानुसार ही एक्सरसाइज करें। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ती है या जोड़ों में दर्द कम होता है, तब धीरे-धीरे एक्सरसाइज बढ़ा सकते हैं।

आजमाएं ये उपाय

- अदरक और काली मिर्च के चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर लें।
- अश्वगंधा, सहजन, मेथी दाना का नियमित सेवन करना भी फायदेमंद होता है।
- कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल) या तिल के तेल को हल्का गर्म करके प्रभावित जगह पर हल्के हाथों से मालिश करें।
- एक तरफ से सिंकी हुई गेहूं की चपाती लें। इसमें दूसरी तरफ अरंडी का तेल, तिल का तेल और थोड़ी-सी हल्दी लगाकर प्रभावित जोड़ पर रखकर पट्टी बांध लें।
- रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है। एक कप दूध में आधा चम्मच कच्ची हल्दी के पावडर को दूध में उबाल लें। गुनगुना होने पर पी लें।
- गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर सेंकना फायदेमंद है। हाथ-पैर में दर्द हो तो किसी बर्तन या बाल्टी में पानी लेकर दर्द वाली जगह को डुबोकर सिंकाई करें। अगर दर्द घुटनों या कंधे या कमर जैसे अंगों में हो तो गर्म पानी में कॉटन के कपड़े को भिगोकर सिंकाई की जा सकती है। सिंकाई के बाद प्रभावित जगह को कपड़े से पोंछ लें। फिर तिल या अरंडी के तेल से हल्के हाथों से लगाकर मसाज करें। उसके ऊपर क्रेप बेंडेज बिना किसी प्रेशर के बांध लें ताकि हवा न लगे और दर्द बढ़ न जाए।
- कलाई जैसे जोड़ में दर्द होने पर कैस्टर ऑयल में थोड़ा-सा नमक डाल कर हल्के हाथों से मसाज करें।
- गर्म कपड़े की पोटली बना कर प्रभावित सथान की सिंकाई करें। *

प्रस्तुति : रजनी अरोड़ा

ज्यादा नींबू लेना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

नींबू को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। नींबू विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर का अच्छा स्त्रोत हैं। इसलिए, जब नींबू को अपनी डेली डाइट में शामिल किया जाता है तो यह ना केवल इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है, बल्कि पाचन में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं। लेकिन नींबू से मिलने वाले पोषक तत्वों का असली लाभ तभी मिलता है, जब इसे सीमित मात्रा में लिया जाए। कुछ लोग दिनभर में कई बार नींबू का सेवन करते हैं, जिससे उन्हें फायदे की जगह कई नुकसान का सामना करना पड़ता है।

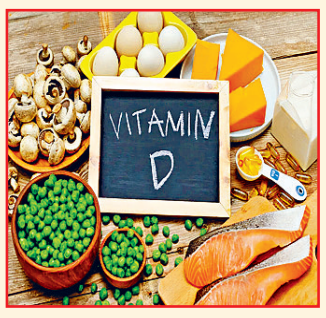

आहार हो ऐसा

आर्थराइटिस से राहत पाने के लिए संतुलित आहार की भी बड़ी भूमिका होती है। इसलिए पोषक और संतुलित आहार का ही सेवन करें। ध्यान रखें कि समुचित मात्रा में कैल्शियम रिच खाद्य पदार्थ ले रहे हों। आहार में ओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड, प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ाएं। कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी भी जरूरी है। इसकी पूर्ति के लिए रोजाना दिन में कम से कम 20 मिनट धूप जरूर सेंकनी चाहिए। जंक फूड, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, प्रिजर्वेटिव वाले फूड आइटम्स, तला-भुना खाना अवॉयड करें। जिन फूड आइटम्स के सेवन से कफ बढ़ता है, उन्हें खाने से परहेज करना चाहिए जैसे- उड़द की दाल, चावल, आलू, अरबी, भिंडी, राजमा अपने आहार में शामिल नहीं करने चाहिए। घर का बना ताजा और हल्का गर्म खाना ही खाएं। *

प्रिकॉशन

शिखर चंद जैन

कुछ स्वास्थ्य समस्याएं देखने में छोटी-छोटी लगती हैं, लेकिन कई बार ये बड़ी बीमारियों की ओर इशारा कर सकती हैं। इसलिए इनकी अनदेखी करना ठीक नहीं होता है।

जब दिखें ये लक्षण जरा भी न करें इग्नोर

हमारे शरीर में कोई भी बीमारी अचानक गंभीर नहीं हो जाती है। किसी बीमारी की शुरुआत में ही कुछ लक्षण या शारीरिक बदलाव दिखने लगते हैं। ऐसे में इन लक्षणों को इग्नोर नहीं करना चाहिए।

आइब्रो के बाल झड़ना : अगर आइब्रो के काफी बाल झड़ गए हैं तो हल्के में न लें। यह हाइपोथॉयराइडिज्म का संकेत हो सकता है। वैसे इसके और भी लक्षण हैं जैसे थकान, ठंड लगना, आलस, वजन बढ़ना आदि। लेकिन ये लक्षण दूसरी कई बीमारियों के भी संकेत हो सकते हैं। हाइपोथॉयराइडिज्म में थॉयराइड ग्रंथि की सक्रियता कम हो जाती है, जिससे शरीर की प्रणाली धीमी पड़ जाती है। इसकी वजह से हार्ट डिजीज, ग्लूकोमा और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

क्या करें : डॉक्टर की राय लेकर टीएसएच का ब्लड टेस्ट करवाएं। अगर इससे हाइपोथॉयराइडिज्म की पुष्टि होती है, तो आपको लंबे समय तक थायरॉक्सिन टेबलेट लेनी पड़ सकती है।

पेट में सूजन : यूके ओवेरियन कैंसर चैरिटी ग्रुप के सलाहकार डॉ. विली हैमिल्टन का मानना है, ओवेरियन कैंसर के सबसे बड़े खतरे का लक्षण है, पेट का लगातार बढ़ा हुआ आकार। इसके अलावा पेल्विक पेन, खाने में दिक्कत होना, हर वक्त पेट फूला हुआ लगना आदि लक्षण भी नजर आते हैं।

क्या करें : फूले हुए पेट या सूजन के बारे में

डॉक्टर को बताएं। वे इंटरनल एग्जामिनेशन करेंगे और किसी प्रकार की गांठ का पता लगाने के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी या ब्लड टेस्ट की सलाह देंगे।

टेढ़े-मेढ़े दांत: मुंह के दांत करीने से न लगे हों यानी टेढ़े-मेढ़े हों तो उन्हें साफ करना मुश्किल हो जाता है, जिससे मसूड़ों की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। ब्रिटिश डेंटल हेल्थ फाउंडेशन के डॉ. नाइजेल कार्टर कहते हैं, 'इसका संबंध शरीर की कई स्वास्थ्य समस्याओं के साथ देखा गया है, जैसे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, डायबिटीज आदि। रिसर्च में यह भी पाया गया है कि मसूड़ों की बीमारी से ग्रस्त महिलाओं को प्रीमैच्योर और अंडरवेट बेबीज डिलीवरी की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है।

क्या करें : डॉ. नाइजेल कार्टर कहते हैं, 'ऐसी स्थिति में ऑर्थोडोंटिस्ट से मिलें। यह ट्रीटमेंट किसी भी उम्र के रोगी के लिए संभव है। वयस्क लोगों को भी ब्रेसेज लगवाने से हिचकना नहीं चाहिए।

आंखों के पास पीले धब्बे : आंखों के आस-पास या पलकों पर पीले से धब्बे नजर आएं तो यह जेंथीलास्मा हो सकता है। भले ही ये धब्बे खुद हानिकारक नहीं हैं, लेकिन ये किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेतक हो सकते हैं। ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ डर्माटोलॉजिस्ट्स के डॉ. निक लोव कहते हैं,

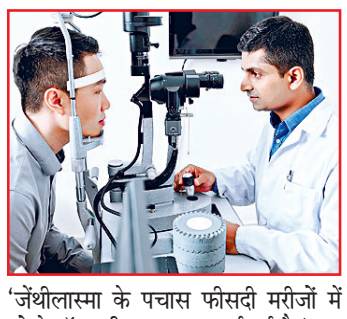

'जेंथीलास्मा के पचास फीसदी मरीजों में कोलेस्ट्रॉल की उच्च मात्रा पाई गई है।' यह आगे चलकर स्ट्रोक और हार्ट डिजीज का सबब बन सकता है।

क्या करें : ऐसे में ब्लड कोलेस्ट्रॉल चेक करवाएं। रिपोर्ट के आधार पर जीवनशैली में परिवर्तन और दवाएं लेने की जरूरत पड़ेगी। जेंथीलास्मा का इलाज भी लेजर से संभव है, इसके लिए डर्माटोलॉजिस्ट या ओक्यूलो प्लास्टिक सर्जन से मिलें।

टेंपररी विजन लॉस : अचानक आंखों पर परदा सा पड़ जाता हो, या बहुत कम क्षेत्र से दिखाई पड़ता हो और कुछ ही पलों में फिर से सब कुछ सामान्य हो जाए, तो इसके हल्के में न लें। यह एमोरैसिस फुगैक्स यानी मिनी स्ट्रोक हो सकता है। यह एक प्रकार का ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक है। इसमें रेटीना पर बुरा असर पड़ता है। इसका कारण गर्दन में मौजूद कैरोटिड आर्टरी का ब्लॉकेज हो सकता है।

क्या करें : नेत्र रोग विशेषज्ञ से अपनी आंखों की जांच करवाएं। डॉक्टर आपको कैरोटिड आर्टरी का अल्ट्रासाउंड करवाने की सलाह दे सकते हैं। *

लगातार खांसी आना बन सकता है परेशानी का सबब

अक्सर लोग खांसी की समस्या को हल्के में लेते हैं, या फिर नजरअंदाज करते हैं। वहीं कई लोग को डॉक्टर आदि के पास जाने में भी संकोच करते हैं। हांलाकि सर्दियों में खांसी की समस्या आम होती है। लेकिन अगर कई हफ्तों के बाद भी आपकी खांसी ठीक नहीं हो रही है, तो इसे नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

क्योंकि यह कई चीजों की तरफ इशारा करती है। ऐसे में आपको डॉक्टर से संपर्क जरूर करना चाहिए। बता दें कि खांसी के कई कारण जैसे इंफेक्शन, एलर्जी और स्मोकिंग आदि हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपको भी खांसी लंबे समय से परेशान कर रही है, तो इसके पीछे का कारण जानना जरूरी होता है।

खांसी के प्रकार

एक्यूट खांसी- यह 2 सप्ताह से 3 सप्ताह तक रहती है और फिर अपने आप सही हो जाती है।

सबएक्यूट खांसी- यह लगभग 3 से 8 सप्ताह तक रह सकती है।

क्रॉनिक खांसी- यह 8 सप्ताह से ज्यादा रहती है और किसी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकती है।

लंबे समय तक खांसी आने के कारण

धूम्रपान

अगर आपको भी लंबे समय से खांसी आ रही है, तो इसका एक कारण धूम्रपान भी हो सकता है। अक्सर धूम्रपान करने वाले लोगों में खांसी की समस्या देखी जाती है। क्योंकि तंबाकू में मौजूद केमिकल्स आपके लंग्स में जाकर जलन पैदा करते हैं। शरीर इसे खांसी के जरिए बाहर निकालने की कोशिश में बलगम बनाता है। धूम्रपान करने वाले लोग खांसी आने पर ध्यान

नहीं देते, जिसकी वजह से उन्हें आगे चलकर गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इंफेक्शन

सर्दी-जुकाम ठीक होने के बाद भी इंफेक्शन की वजह से मरीज को बहुत दिनों तक खांसी की समस्या बनी रहती है। कई बार 2 महीनों तक खांसी की समस्या बनी रह सकती है। जिसकी वजह से श्वसन मार्ग में इरिटेशन होती है। इंफेक्शन के कारण हुई खांसी को ठीक होने में समय लगता है।

अस्थमा

जिस हवा में हम सांस लेते हैं, वह श्वसन के दौरान नाक, गले और फेफड़ों में जाती है। अस्थमा होने पर वायुमार्ग के आसपास की मांसपेशियां सिकुड़ने लगती हैं, जिसकी वजह से बलगम बनता है और वायुमार्ग अवरुद्ध हो जाता है। ऐसा होने पर फेफड़ों में ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हो पाती है। इस वजह से अस्थमा के मरीज को काफी खांसी आती है। बता दें कि अस्थमा होने पर गीली-सूखी दोनों तरह की खांसी आ सकती है।

फेफड़ों का कैंसर

लंबे समय तक आने वाली खांसी की एक वजह फेफड़ों का कैंसर भी हो सकता है। बता दें कि फेफड़ों का कैंसर होने पर खांसते समय खून भी आने लगता है। लेकिन अगर आप धूम्रपान नहीं करते हैं और परिवार में भी किसी को फेफड़ों का कैंसर नहीं हुआ है, तो खांसी आने का कुछ अन्य कारण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सर्दी-जुकाम

हांलाकि सर्दी-जुकाम और एलर्जी की समस्या होने पर भी खांसी आने लगती है। ऐसी स्थिति में ठंडी और सूखी हवा में सांस लेने से गले में खराश आदि भी हो जाती है।

खांसी से बचाव

नमक पानी से गार्गल

गले में खराश या खांसी होने की वजह से आपको कम से कम तीन बार नमक के पानी से गरारे जरूर करने चाहिए। नमक पानी से गार्गल करने से गले में मौजूद कीटाणु खत्म हो जाते हैं। इससे गले की खराश भी खत्म हो जाती है।

भाप

खांसी-जुकाम की स्थिति बनने पर भाप लेने से राहत मिलेगी। इस उपाय को करने से बंद नाक खुल जाती है और गले में जलन से भी राहत मिल जाती है। भाप लेने से कफ पिघलने लगता है और खांसी में भी आराम मिलता है।

न्यू स्टडी

सोशल मीडिया का ब्रेन पर नहीं पड़ता नेगेटिव इफेक्ट

आज के दौर में लोगों को जोड़ने और संवाद को बनाए रखने में सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह लोगों की भावनाओं को व्यक्त करने का एक बेहतरीन माध्यम भी बन गया है। लेकिन सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग को लेकर कई बार इसके नेगेटिव इफेक्ट्स के बारे में चिंता जताई जाती है और कहा जाता है कि यह हमारे ब्रेन को भी प्रभावित करता है। लेकिन सोशल मीडिया के बारे में किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि इसका लोगों के ब्रेन पर नेगेटिव इफेक्ट नहीं पड़ता है। यह दावा ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने 72 देशों के दस लाख से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन के आधार पर किया है। इस शोध के नतीजे 'रॉयल सोसायटी ओपन साइंस' नामक जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। शोधकर्ताओं ने वर्ष 2008 से

लेकर वर्ष 2019 तक फेसबुक का इस्तेमाल करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों के लोगों के डाटा का विश्लेषण किया। इस शोध के दौरान इसका कोई सबूत नहीं मिला कि सोशल मीडिया के लगातार प्रयोग का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक रूप से प्रभाव पड़ रहा था। यह स्टडी प्रोफेसर एंड्रयू पी और प्रोफेसर मैटी वुओरे की लीडरशिप वाली ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने किया। शोधकर्ताओं के अनुसार फेसबुक की भूमिका केवल आंकड़े प्रदान करने तक सीमित थी। हालांकि पहले कई शोध में नेगेटिव इफेक्ट के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन ये दावे तथ्यात्मक कम और काल्पनिक ज्यादा हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं ने इस प्रोजेक्ट पर कोविड-19 महामारी से पहले ही कार्य शुरू कर दिया था। इसके बाद दो साल से अधिक समय तक डाटा का विश्लेषण किया या। *

प्रस्तुति : अजेश कुमार